● वर्ष : 04 ● अंक : 239

● गाजियाबाद, बुधवार 14 जनवरी 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

आप सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

10 मिनट डिलीवरी पर सरकार की 'नो'

ब्लिंकइट, जोमैटो को सख्त निर्देश, अब सेफ्टी फस्ट!

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद, क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकइट ने अपने सभी ब्रांड प्लेटफॉर्म से '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। इस मुद्दे पर मांडविया ने ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों से बातचीत की, जिसमें उन्होंने कंपनियों को डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा के हित में सख्त डिलीवरी समय सीमा को समाप्त करने की सलाह दी। मंत्री ने जोर दिया कि आक्रामक समयसीमा डिलीवरी पार्टनर्स पर अनावश्यक दबाव डाल सकती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा सकती है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सभी कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया कि वे अपने ब्रांड विज्ञापनों के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी डिलीवरी समय संबंधी प्रतिबद्धताओं को हटा देंगे। इस कदम का उद्देश्य ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हुए गिग वर्कर्स की भलाई और सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। यह घटनाक्रम त्वरित वाणिज्य मॉडलों और वितरण कर्मियों पर उनके प्रभाव की बढ़ती जांच के बीच आया है, जिसमें सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि तेज डिलीवरी के लिए श्रमिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है। यह कदम दिसंबर के अंत में विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर डिलीवरी कर्मचारियों द्वारा की गई हड़तालों के कुछ हफ्तों बाद आया है, जिसमें कामकाजी परिस्थितियों, डिलीवरी के दबाव और सामाजिक सुरक्षा की कमी से संबंधित मुद्दों को उठाया गया था। सूत्रों के अनुसार, ब्लिंकइट अपने सभी ब्रांड संदेशों से '10 मिनट में डिलीवरी' का जिक्र हटा देगा। इसमें विज्ञापन, प्रचार अभियान और सोशल मीडिया संचार शामिल हैं। इस बदलाव का मतलब यह नहीं है कि डिलीवरी में देरी होगी। इसके बजाय, सार्वजनिक संदेशों में निश्चित समय की प्रतिबद्धताओं पर जोर देने के बजाय, कंपनियां ऐसे वादों से बचने की कोशिश करेंगी जिन्हें असुरक्षित डिलीवरी व्यवहार को बढ़ावा देने वाला माना जा सकता है। विभिन्न शहरों में उपयोगकताओं के अनुभवों से पता चलता है कि नए साल की पूर्व संध्या पर डिलीवरी काफी हद तक सामान्य रूप से जारी रही, लेकिन हड़तालों ने अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चल रही बहस को फिर से हवा दे दी।

भारत ने संभाली ब्रिक्स 2026 की कमान, विदेश मंत्री ने लॉन्च किये आधिकारिक लोगो, वेबसाइट

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को 10 देशों के समूह 'ब्रिक्स' की अध्यक्षता औपचारिक रूप से संभालते हुए वर्ष 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की। इस वर्ष के अंत में भारत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कमल के आकार वाले लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता और इस लोगो के माध्यम से 'मानवता प्रथम और जन-केंद्रित दृष्टिकोण' को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत का प्रयास ब्रिक्स देशों की क्षमता को वैश्विक कल्याण के लिए एकजुट करना होगा। डॉ. जयशंकर ने कहा, 'जब भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है, तो यह इस समूह की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।' उन्होंने कहा कि 2026 में ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर लेगा। इन वर्षों में यह समूह उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के एक 'महत्वपूर्ण मंच' के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा, 'बीते सालों में ब्रिक्स ने बदलती वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपने एजेंडे और सदस्यता का विस्तार किया है। साथ ही आम जनता को केंद्र में रखने वाला विकास इस समूह की प्राथमिकता रहा है, जिससे बातचीत और व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा मिला है।'

दिल्ली में मौसम की सबसे ठंडी सुबह 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई

पंजाब और हरियाणा में रेड अलर्ट

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है। दिल्ली और उसके आसपास के राज्यों में मौसम की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। मंगलवार को दिल्ली में मौसम की सबसे ठंडी सुबह रही, जब पारा गिरकर 3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि उत्तर भारत के बड़े हिस्से में तापमान लगभग जमने वाली स्थिति में पहुंच गया, जिसके कारण मौसम एजेंसियों को पंजाब और हरियाणा के लिए उच्चतम स्तर का अलर्ट जारी करना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राजधानी का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री दर्ज किया, जो सामान्य से 4.4 डिग्री कम था, और सुबह के समय नमी 100 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। दिन के तापमान से थोड़ी राहत मिली, अधिकतम तापमान 20.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से थोड़ा ही ज्यादा था। इस बीच, कोहरे के कारण कई जगहों पर विजिबिलिटी कम हो गई, जिससे दिल्ली-ठउफमें सुबह की आवाजाही बाधित हुई।

उत्तर की ओर, ठंड की लहर और तेज हो गई

चंडीगढ़ में मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार के लिए पंजाब और हरियाणा के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जिसमें घने कोहरे के साथ गंभीर शीतलहर की चेतावनी दी गई। इस मौसम में पहली बार इस क्षेत्र में तापमान जमने के निशान तक गिर गया। बठिंडा में 0.6 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि अमृतसर और फरीदकोट में पारा 1 डिग्री तक गिर गया। हरियाणा में भी इसी तरह की चरम स्थितियां देखी गईं। गुरुग्राम में तापमान 0 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि सिरसा, सोनीपत, भिवानी और महेंद्रगढ़ में न्यूनतम तापमान लगभग 1त्ड दर्ज किया गया। रेड अलर्ट के बावजूद, क्टऊने संकेत दिया है कि 17 जनवरी तक येलो अलर्ट जारी रहेगा, जो पूरे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड के लंबे दौर का संकेत देता है। जमीन पर इसका असर साफ दिख रहा था। गुरुग्राम के बाहरी इलाकों में लगातार दूसरी सुबह भारी पाला और बर्फ जमने की खबरें आईं, कुछ उपनगरों में तापमान शून्य से नीचे माइनस 0.9 डिग्री तक गिर गया। दिल्ली-ठउफक्षेत्र के कई हिस्सों में भी पाला देखा गया, जो एक दुर्लभ दृश्य था और जिसने शीतलहर की गंभीरता को रेखांकित किया।

ठंड राजस्थान में और अंदर तक फैल गई, जहां सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पाले ने खेतों, पेड़ों, पानी के पाइपों और कृषि उपकरणों को ढक लिया। बर्फीली हवाओं के साथ कोहरे के कारण विजिबिलिटी खराब थी, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

अगर काटने से किसी बच्चे-बुजुर्ग की मौत हुई तो देना होगा भारी मुआवजा, बढ़ते कुत्तों के हमलों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने भारत में आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई की और कहा कि कुत्ते के काटने से हुई हर मौत के लिए राज्यों पर भारी मुआवजा लगाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे एबीसी नियमों को लागू करने में 'बुरी तरह विफल' रही हैं। पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जवाबदेह ठहराने जा रहे हैं। यह मुद्दा सदियों से चला आ रहा है। आपने स्वयं उल्लेख किया है कि संसद 1950 के दशक से इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों के कारण ही यह समस्या 1000 गुना बढ़ गई है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से पूर्ण विफलता। कुत्ते के काटने से जान गंवाने वाले हर पुरुष, महिला और बच्चे के लिए, हम जिम्मेदार सरकार पर भारी मुआवजा लगाएंगे। 8 जनवरी को पिछली सुनवाई में, सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने एबीसी नियमों के उचित कार्यान्वयन की कमी को उजागर किया और याचिकाकताओं में से एक अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के वकील सहित कुत्ते प्रेमियों को 'वास्तविकता से दूर' होने की चेतावनी भी दी। पिछले सप्ताह, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह महिला कुत्ता पालकों और उनकी देखभाल करने वालों के साथ कथित तौर पर कुत्ता पालकों के खिलाफ संगठित समूहों द्वारा किए गए उत्पीड़न के आरोपों पर विचार नहीं करेगा, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था का मामला है और पीड़ित व्यक्ति इसके बारे में एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में महिलाओं के बारे में की गई कुछ अपमानजनक टिप्पणियों के दावों पर भी विचार करने से इनकार कर दिया।

बुलेट पर होकर सवार, फडणवीस ने नागपुर में किया प्रचार, कहा- मुंबई में महायुति का मेयर बनेगा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार आज समाप्त हो रहा है। इससे पहले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में रोड शो किया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी, जिसके बीच मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल पर सवार होकर रोड शो में शामिल हुए। रोड शो भारत माता चौक से शुरू होकर विविध चौक से होते हुए महल क्षेत्र में शिवाजी प्रतिमा के पास समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई में महायुति गठबंधन महापौर का चुनाव करेगा। मुख्यमंत्री के रोड शो के लिए नागपुर के बडकस चौक को भव्य ढंग से सजाया गया था। आरएसएस का मुख्यालय बडकस चौक से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। मुख्यमंत्री के रोड शो से कुछ ही समय पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत का काफिला भी इसी रास्ते से गुजरा था। नागपुर में पूरे रोड शो मार्ग पर भव्य सजावट की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ नेताओं के पोस्टर प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए थे।

मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी को उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी-सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत दे दी।

अदालत ने अंसारी को पिछले साल मार्च में अंतरिम जमानत दी थी। इसके बाद, सितंबर में, अदालत ने अंसारी की स्वतंत्रता पर लगाई गई कुछ शर्तों में ढील दी थी, जिनमें यह शर्त भी शामिल थी कि विधायक अब लखनऊ स्थित अपने घर के पते से अलग किसी अन्य पते पर रह सकते हैं, बशर्ते वे अपने नए पते की जानकारी यूपी पुलिस और निचली अदालत को सौंप दें। अदालत ने पहले यह भी स्पष्ट किया था कि उसने अंसारी के सार्वजनिक रूप से बोलने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। अदालत ने कहा कि वास्तव में, अंसारी एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते, सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर हमेशा की तरह बोल सकते हैं, जैसा कि राजनेता आमतौर पर करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी तंत्र पर बड़ा प्रहार, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 5 सरकारी कर्मचारियों को किया बर्खास्त

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकारी तंत्र में व्याप्त आतंकी गतिविधियों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कथित आतंकी संबंधों के आरोप में पांच सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि इन सक्रिय सहयोगियों को आतंकी संगठनों और पाकिस्तान आईएसआई द्वारा सरकारी तंत्र में शामिल किया गया था। उन्होंने पिछले कई दशकों में प्रशासन में घुसपैठ करके सरकारी तंत्र को कमजोर किया और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला।

इन पांच कर्मचारियों को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत बर्खास्त किया गया। बर्खास्त कर्मचारियों में एक शिक्षक भी शामिल है, जो जांचकताओं के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैबा (एलईटी) के लिए काम कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उसे अप्रैल 2022 में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने पुलिस के खिलाफ अपनी योजना को अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अन्य कर्मचारियों में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) से कथित तौर पर जुड़ा एक लैब तकनीशियन, लश्कर-ए-तैबा से जुड़ा एक सहायक लाइनमैन, एचएम से कथित तौर पर जुड़ा वन विभाग का एक फील्ड वर्कर और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का एक ड्राइवर शामिल हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने बताया, 'हालांकि, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2021 में आतंकी तंत्र को बेनकाब करने और उसकी नींव तोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। वित्तपोषकों से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकताओं तक, सभी तत्वों के खिलाफ उनकी निर्णायक और व्यापक कार्रवाई ने आतंकी ढांचे को काफी हद तक ध्वस्त कर दिया।'

एलओसी पर 8 आतंकी कैंप अब भी एक्टिव, आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी, हरकत पर भारी तबाही पक्की

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा 10 मई को पाकिस्तानी क्षेत्र में नौ आतंकी संगठनों को निशाना बनाकर शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं क्योंकि 2025 में आतंकी भर्तियों की संख्या लगभग 'नगण्य' रही है। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे।

सेना प्रमुख ने कहा कि 10 मई से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे, जिनमें पहलगाम हमले के तीन हमलावर भी शामिल हैं जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया। सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या अब एकल अंकों में है। आतंकवादी भर्ती लगभग न के बराबर है, 2025 में केवल 2 भर्तियां हुईं। जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं मजबूत विकास गतिविधियां, पर्यटन का पुनरुद्धार और शांतिपूर्ण श्री अमरनाथ यात्रा, जिसमें 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से अधिक है। आतंकवाद से पर्यटन की ओर बदलाव धीरे-धीरे आकार ले रहा है। जनरल द्विवेदी ने म्यांमार में घट रही घटनाओं के 'दूसरों के प्रभाव' से पूर्वोत्तर को बचाने के लिए काम कर रहे असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालय के सुरक्षा तंत्र के बारे में भी जानकारी दी। म्यांमार में अशांति के जवाब में असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालयों सहित एक व्यापक बहु-एजेंसी सुरक्षा ग्रिड पूर्वोत्तर को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए काम कर रहा है।

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन-फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधा: नीतीश कुमार

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को कई बार संबंधित भूमि की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती। इसे ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री से पूर्व भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी क्रेता और विक्रेता दोनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

इसके तहत आवेदकों के अनुरोध पर निबंधन विभाग अंचल कार्यालय से भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर क्रेता को उपलब्ध कराएगा। इससे आवेदकों को जमीन के बारे में सही और प्रामाणिक जानकारी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद 'सात निश्चय-3' कार्यक्रमों को लागू किया गया है, जिनका उद्देश्य बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है।

मण्डलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

ऐसे मतदाता जो किसी अन्य विधानसभा अथवा मतदेय स्थल से स्थानान्तरित होना चाहते हैं वे फार्म-8 भरें: मण्डलायुक्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त रोल प्रेक्षक / आयुक्त, मेरठ मण्डल, मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन के उपरान्त प्रथम भ्रमण के सम्बन्ध में जनपद के समस्त मान्यताप्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी।

रोल प्रेक्षक द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त प्रतिनिधियों का परिचय प्राप्त करते हुए अवगत कराया कि विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विनांक 06.01.2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया है। जनपद गाजियाबाव में अवस्थित 05 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 2019853 मतदाताओं का नाम आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची में सम्मिलित किया गया है। इसी क्रम में द्वारा अवगत कराया कि अर्हता तिथि 01.01.2026 एवं 01.04.2026 को जिन अर्ह व्यक्तियों की आयु 18 पूर्ण हो रही है वह अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक वस्तावेज संलग्न कर वावे एवं आपत्ति की अवधि दिनांक 06.02.2026 तक बी.एल.ओ. को उपलब्ध करा दें अथवा voters.eci.gov.in पर आनलाइन आवेदन कर दें। इसी क्रम में द्वारा अवगत कराया कि ऐसे मतदाता जो किसी अन्य विधानसभा अथवा मतदेय स्थल से स्थानान्तरित होना चाहते हैं वे फार्म-8 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक वस्तावेज बी.एल.ओ. को उपलब्ध करा दें। स्थानान्तरण की स्थिति में फार्म-6 न भरें। उक्त कार्य हेतु दिनांक 18.01.2026 को समस्त बी.एल. ओ. अपने मतदेय स्थलों पर उपस्थित होकर मतदाता सूची को पढ़कर सुनाएंगे तथा छूटे हुए अर्ह मतदाताओं से दावे प्राप्त करेंगे। अग्रेतर आयुक्त द्वारा अवगत कराया कि जिन मतदाताओं को पूर्व विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण 2003 की मतदाता सूची से मैप नहीं किया गया है, ऐसे 153048 लाख मतदाताओं को नोटिस अवधि में नोटिस जारी किये जायेंगे। नोटिस की सुनवाई हेतु जनपद में कुल 127 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

बैठक के अन्त में रोल प्रेक्षक द्वारा समस्त राजनैतिक दलों के प्रतनिधियों से अनुरोध किया कि वह अपने बी.एल.ए. को सक्रिय कर दावे एवं आपत्ति की अवधि में अर्ह एवं छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोडने हेतु नागरिकों को जागरूक करें। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित मुख्य रूप से जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडीएम एफ/आर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के सहित अन्य उपस्थित रहे।

वार्ड 27 के नागरिकों के लिए आशा की नई किरण विधायक संजीव शर्मा

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

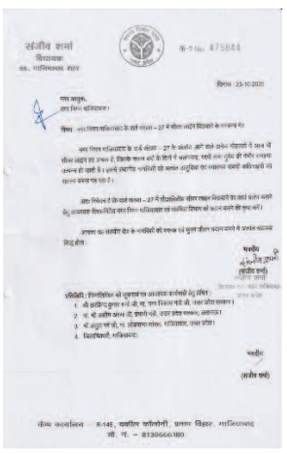

गाजियाबाद। शहर विधानसभा के वार्ड 27 अंतर्गत डूंडाहेड़ा, शांति नगर, सेन विहार सहित अनेक मोहल्लों के निवासी वर्षों से सीवर लाइन के अभाव में गंदगी, दुर्गंध और जलभराव जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे।

इन परिस्थितियों में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित प्रत्येक परिवार का दैनिक जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा था तथा स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम उत्पन्न हो रहे थे।

जन-जन की पीड़ा को गहराई से समझते हुए शहर विधायक संजीव शर्मा ने न केवल क्षेत्रवासियों की आवाज को मजबूती से उठाया, बल्कि दिनांक 23 अक्टूबर 2025 को नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ए. के. शर्मा को पत्र प्रेषित कर इस ज्वलंत समस्या की ओर उनका गंभीरतापूर्वक ध्यान आकर्षित किया। यह प्रयास उनके संवेदनशील, जनसेवी और जिम्मेदार नेतृत्व का स्पष्ट प्रमाण है।

आज यह बताते हुए अत्यंत संतोष और आशा का भाव है कि नगर विकास मंत्री द्वारा इस विषय पर आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र प्राप्त हुआ है। यह केवल एक शासकीय पत्र नहीं, बल्कि वार्ड 27 के हजारों परिवारों के लिए स्वच्छ वातावरण, बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन की दिशा में एक मजबूत पहल है।

मीडिया प्रभारी अजय चोपडा ने इस महत्वपूर्ण सहयोग एवं त्वरित संज्ञान के लिए नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा का हृदय से आभार एवं धन्यवाद। साथ ही, क्षेत्र के प्रति निरंतर समर्पित माननीय विधायक संजीव शर्मा जी का विशेष धन्यवाद, जिनके अथक प्रयासों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से यह उम्मीद जगी है कि शीघ्र ही वार्ड 27 के नागरिकों को इस गंभीर समस्या से स्थायी राहत प्राप्त होगी।

शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से फीडबैक लेना सुनिश्चित किया जाए: जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ द्वार जनसुनवाई की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा की जा रही जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा।

जिलाधिकारी महोदय ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं, इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव तत्पर रहें। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल-भोजन एवं साफ-सुथरा महौल देने हम सभी की जिम्मेदारी: मुख्य विकास अधिकारी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलैक्ट्रेट में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आहूत हुई। बैठक में सीडीओ महोदय द्वारा पिछली समीक्षा बैठक के बिंदुओ पर अब तक हुई प्रगति से अवगत हुए। इस दौरान सभी डीसी, एसआरजी और डायट के कार्य एवं दायित्वों का परिचय लिया गया। विद्यालयों में डेस्क बेंच की मांग को एआरपी पता करें और अगली मीटिंग से पहले अवगत कराएं। शिक्षको को संपर्क एप से शिक्षण करने के लिए मोटिवेट करने पर सुझाव दिया गया। एसआईआर में ज्यादातर शिक्षकों की ड्यूटी लग जाने से बच्चों का अध्ययन प्रभावित न हो इसके लिए विद्यालय स्तर पर योजना बनाई जाए। जिस पर बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा सुझाव दिये गये कि वैलिंटियर, आंगनवाडी, रिटायर्ड शिक्षको, पूर्व छात्रों आदि की सहायता ली जा सकती है। विद्यालय निपुण बनाने की योजना पर खंड शिक्षा अधिकारियों को काम करने का निर्देश दिया गया। पीटीएम को सफल बनाने के लिए एसआरजी, डीसी मिलकर जो योजना बनी है उसे क्रियान्वित करें। सीडीओ महोदय ने कहा कि शिक्षक विभिन्न क्रिया कलापों को मैनेज करें। प्राथमिकता निर्धारित करके कार्यों को व्यवस्थित करें। डीटीएफ/ बीटीएफ बैठकों के लिए अधिकारियों को नियमित अवगत कराएं, उनसे बैठक हेतु डेट ली जाए और ये सभी अपने निरीक्षण पूरे करें। विद्यालयों में निपुण प्लस एप का उपयोग बढ़ाए। संघर्षशील स्कूलों पर अधिक ध्यान दें। एआरपी /एसआरजी मिलकर निपुण आंकलन जो 4 दिसंबर से होने वाला है उसके लिए रणनीति बनाएं। चिंपल का अभी केवल 83% डाउनलोड हुआ है। इसे 100% किया जाए, शिक्षक बच्चों को कार्य जरूर असाइन करें। संपर्क की खराब स्थिति वाले स्कूल की लिस्ट बीइओ को दें, जिससे वे संबंधित स्कूल में संपर्क के कंटेंट को सिंक करना सुनिश्चित कर सकें, साथ ही जिन विद्यालयों में इस माह उपयोग नहीं हुआ, उनके साथ बैठक कर उपयोग बढ़ाएं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नियमित निरीक्षण किए जाने तथा विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही जनपद के पिछड़े हुए विद्यालयों में नियमित निरीक्षण करते हुए एआरपी द्वारा कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी ढंग से कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए, जिससे बच्चों का नामांकन एवं शिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बीएसएस को सभी बीईओ अपने विभाग से सम्बंधित सभी स्कूलों की कक्षाओं में कितने फर्नीचर की आवश्यकता है, या उस स्कूल में स्वच्छता, विद्युत-प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व बाथरूम की क्या शिकायत या समस्या है, बच्चों को मीड-डे-मिल का भोजन साफ व पोष्टिक मिल रहा है या कोई समस्या है, के सम्बंध में पूर्ण विस्तार के साथ एक माह के अन्तराल में रिर्पोट प्रेषित करेंगे।

प्रवर्तन जोन-08 में अवैध कालोनी पर चला प्राधिकरण का बुलडोजर

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निदेर्शों के क्रम में दिनांक 13.01.2026 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-08 के नेतृत्व में उ०प्र० नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत विवेक विहार कॉलोनी एवं मिथिला नगर, राधा स्वामी सत्संग भवन के सामने चिरौड़ी रोड पर लगभग 70 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी में लगभग 100 भूखण्डों की बाउंड्रीवॉल, विकासकर्ता का साईट ऑफिस एवं सड़कों आदि पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। उपरोक्त दोनों सोसाइटी जिन लोगों द्वारा विकसित की जा रही थी, उनके पास भूमि का वास्तविक स्वामित्व नहीं है।

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दोनों अवैध कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त एवं भवनों का निर्माण

गाज़ियाबाद में धर्म-रक्षा के प्रतीकात्मक कार्यक्रम पर पुनर्विचार आवश्यक: जतिन राज आर्य

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। हाल ही में गाज़ियाबाद में हिंदू रक्षा दल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में तलवार वितरण किया गया, जिसके उपरांत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी भैया समेत कई कार्यकर्ताओं को गाज़ियाबाद प्रशासन द्वारा हिरासत में लेकर जेल भेजा गया। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है।

हिंदू धर्म में शस्त्रों को हिंसा का माध्यम नहीं, बल्कि धर्म, आत्मरक्षा और अन्याय के प्रतिरोध का प्रतीक माना गया है। देवी-देवताओं के हाथों में शस्त्र यह संदेश देते हैं कि जब समाज में अधर्म बढ़े, तब शक्ति का प्रयोग संयम और विवेक के साथ किया जाना चाहिए। तलवार (खड्ग) को विशेष रूप से अज्ञान और अधर्म के नाश का प्रतीक माना गया है, जिसकी पूजा नवरात्रि और विजयादशमी जैसे पर्वों पर की जाती है।

इस संदर्भ में यह आवश्यक है कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम को उसके आशय और उद्देश्य के आधार पर देखा जाए। यदि कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक चेतना, परंपरा और आत्मरक्षा के प्रतीक तक सीमित था, तो उसे सीधे हिंसा या अराजकता से जोड़ना समाज में अनावश्यक तनाव उत्पन्न कर सकता है। साथ ही, यह भी सत्य है कि भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कानून का सम्मान सभी नागरिकों और संगठनों के लिए अनिवार्य है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन और समाज संवाद और संतुलन के माध्यम से ऐसे विषयों का समाधान करें।

गाज़ियाबाद जैसे संवेदनशील और जागरूक शहर में यह अपेक्षा की जाती है कि धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए कानूनी मर्यादाओं का भी पालन हो, ताकि सामाजिक सौहार्द और शांति बनी रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, केशव नगर (शास्त्री नगर) की नकुल बस्ती की आजाद शाखा, सुखदेव शाखा और राजगुरु शाखा द्वारा संयुक्त रूप से पेट्रोल पंप ई-ब्लॉक, शास्त्री नगर में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री श्री बलदेव राज शर्मा मुख्य अतिथि थे और उन्होंने स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री बलदेव राज शर्मा ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर भारत को गौरवशाली ऊंचाइयों पर ले जाने का आग्रह किया। विभाग प्रचारक श्री अतुल जी ने सभा को संबोधित किया और उन्हें स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से अवगत कराया। उन्होंने सभा को स्वामी विवेकानंद के उस सपने की याद दिलाई जिसमें उन्होंने अपने जैसे 100 युवाओं को खोजने की बात कही थी ताकि वे भारत को उन्नति के शिखर पर पहुंचा सकें। श्री अतुल जी ने आगे कहा कि संघ संस्थापक, परमपूज्य डॉ. हेडगेवार ने स्वामी विवेकानंद द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गठन किया, जो पिछले 100 सालों से भारत माता को परम वैभव के मार्ग पर लाने के लिए अनवरत काम कर रहा है। संघ के प्रचारक उन्हीं युवाओं की तरह हैं, जिनकी कल्पना स्वामी जी ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करना ही काफी नहीं होगा, बल्कि युवाओं को उस महान हिंदू संत द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलना होगा। इस अवसर पर बोलते हुए, विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जयंती को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा किए गए 1000 साल पहले के हमले और लूट को भी याद कर रहा है और आक्रमणकारी हिंदू धर्म की भावना और आत्मा को तोड़ नहीं पाए, जो इतने हमलों और लूट के बावजूद मजबूती से खड़ा है। कार्यक्रम का संचालन श्री सचिन सिंघल ने किया। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें 2000 से अधिक लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में विभाग संपर्क प्रमुख श्री मनमीत गर्ग, सह महानगर संघचालक श्री विपुल गोयल, महानगर कार्यवाह श्री अभिषेक सचदेवा, सह महानगर प्रचार प्रमुख श्री राजेंद्र शर्मा, सुशील जी, अमर दत्त जी महेश जी, राजेंद्र प्रसाद जी, सत्यवीर जी, मदन यादव जी ,पदम सिंह जी, राजकुमार चौधरी, राजीव त्यागी, रमेश चौधरी, नरेंद्र गोयल, जगदीश जी, विजय जी, सुनील शर्मा जी, सुंदर यादव जी, एवं सैकड़ों अन्य स्वयंसेवक भी मौजूद रहे।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध द्वारा अपने कार्यालय पर शिकायत लेकर आए व्यक्तियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं सम्बन्धित को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। अल्पसंख्यक आयोग उ०प्र० के पूर्व सदस्य सरदार एस पी सिंह ने परिवार के सदस्यों के साथ दा येलो चिली बाई संजीव कपूर रेस्टोरेंट के अनुरोध पर अग्नि जला कर लोहड़ी मनाई.. इस अवसर पर पवनीत सिंह, सतनाम कौर, प्रियंका सिंह, अर्जिया सिंह, अनामया सिंह व रेस्टोरेंट के मैनेजर व स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने लोहड़ी की बधाई व

इलाहाबाद हाई कोर्ट की विशेष पहल, अब आपका निर्णय आपकी भाषा में

दीवानी न्यायालय परिसर में जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा भारत के नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में निर्णय उपलब्ध कराने तथा विधिक जागरूकता फैलाने हेतु विशेष पहल की गई हैं। ₹सुवास प्रकोष्ठ₹ (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद साफ्टवेयर) के माध्यम से माननीय उच्चतम न्यायालय व माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्णयों को हिन्दी भाषा में अनुवादित कराया गया है। जिसका उद्देश्य भारत के समस्त नागरिकों को अब माननीय उच्चतम न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्णय को उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध कराया जायेगा। चन्द्रमोहन श्रीवास्तव अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा बताया गया कि उपरोक्त निदेर्शों के क्रम में एवं श्री अतुल श्रीवास्तव माननीय जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन में एवं श्री सौरभ द्विवेदी अपर जिला जज गौतमबुद्धनगर, श्री मयंक त्रिपाठी नोडल अधिकारी/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में दिनांक 13.01.2026 को जागरूकता शिविर का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर के सभाकक्ष में किया गया। जिसमें माननीय उच्चतम न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा उपरोक्त के संबंध में दिये गये निदेर्शों की जानकारी शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के पैनल अधिवक्तागण, पराविधिक स्वयं सेवक, मध्यस्थगण, एल०ए०डी०सी०एस० में नामित अधिवक्तागण को दी गई। शिविर में उपरोक्त विषय के संबंध में जानकारी देते हुये अधिक से अधिक जनसामान्य के मध्य विधिक जागरूकता फैलाने हेतु अपील की गई। उक्त शिविर के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा जारी निम्नवत वेवसाईट भी उपलब्ध करायी गई। जिसके माध्यम से निर्णयों को हिन्दी भाषा में अवलोकित कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

1-https://www2.allahabadhighcourt.in/ahcr

2- https://elegalix.allahabadhighcourt.in/elegalix/translation/vernacular2.html शिविर के माध्यम से यह भी अवगत कराया गया कि उपरोक्त के संबंध में जनपद बार एसोसिएशन, पी०एल०वी० जिला प्रशासन के साथ, स्थानीय प्राधिकरणों के साथ एवं विधिविद्यालयों व विश्वविद्यालयों आदि संस्थाओं के मध्य व सहयोग से जनसामान्य के मध्य अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। बार एसोसिएशन गाज़ियाबाद द्वारा बार प्रांगण में अध्यक्ष ब्रहमदेव त्यागी व सचिव वरुण त्यागी एंव डीजीसी सिविल हरप्रीत सिंह जग्गी एंव अन्य अधिवक्ताओं के साथ धूमधाम से लोहड़ी का पर्व मनाया गया और सभी की खुशहाली की कामना की गई इस अवसर पर सरदार एस पी सिंह पूर्व सदस्य अल्पसंख्यक आयोग, वरिष्ठ अधिवक्ता सरदार गुरदीप सिंह, सुनीता दत्ता,राकेश केली, अक्षय मेकिन,मनप्रीत सिंह, निर्मलजीत सिंह,जगमोहन सिंह,डॉ सबनम,खुशनुमा प्रवीन, विनय जैन,मनमोहन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आगरा में यमुना किनारे दिखेगी ब्रज की भव्यता

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ताजनगरी आगरा को वैश्विक स्तर पर स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर कार्य कर रही है। इसी क्रम में यमुना किनारे स्थित वेदांत मंदिर से लेकर झलकारी बाई चौराहे तक के क्षेत्र का कायाकल्प करने का निर्णय लिया गया है। आगरा नगर निगम और आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से संचालित इस परियोजना का उद्देश्य यमुना तट को एक आधुनिक पार्क और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है।

- योगी सरकार ने यमुना किनारे शुरू किया कायाकल्प, बन रहा आधुनिक पार्क
- यमुना तट को एक आधुनिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में किया जा रहा विकसित
- बच्चों के लिए आधुनिक झूले और फिटनेस के शौकीनों के लिए ओपन जिम, पाथ-वे
- आगरा आने वाले पर्यटकों को होगा ब्रज की संस्कृति का अनुभव, पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा
- ताजनगरी आगरा को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ मिशन मोड में जुटी योगी सरकार

यमुना किनारे 'ग्रीन बेल्ट'

पर्यावरण संरक्षण और सौंदर्य को ध्यान में रखते हुए, कायाकल्प के प्रथम चरण में यमुना किनारे बन रहे पार्क को पूरी तरह हरा- भरा बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत 20 हजार से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। यह वृहद पौधारोपण अभियान न केवल प्रदूषण को कम करने में सहायक होगा, बल्कि क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह 'ग्रीन कॉरिडोर' स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को ताजी हवा और सुकून का अनुभव कराएगा।

ब्रज संस्कृति और कला का अद्भुत संगम

योगी सरकार का उद्देश्य यमुना तट को केवल भौतिक विकास नहीं, बल्कि आगरा की सांस्कृतिक जड़ों को भी प्रदर्शित करना है। इसके लिए यमुना किनारे पर बन रहे पार्क में ब्रज संस्कृति को दर्शाने वाली भव्य मूर्तियां (स्कल्पचर) स्थापित की जा रही हैं। साथ ही एक भव्य एम्फीथिएटर विकसित किया जा रहा है, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोक कलाओं का प्रदर्शन किया जा सकेगा। इससे आगरा आने वाले पर्यटकों को ताजमहल के दीदार के साथ- साथ ब्रज की समृद्ध विरासत का अनुभव भी मिल सकेगा।

आधुनिक सुविधाएं लेस

स्थानीय नागरिकों की जीवनशैली और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पार्क में अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। बच्चों के लिए आधुनिक झूले और स्वास्थ्य प्रेमियों के लिए ओपन जिम की स्थापना की जा रही है। व्यवस्थित और सुंदर पाथ- वे तैयार किए जा रहे हैं ताकि लोग सुबह- शाम टहल सकें। रात के समय यमुना की खूबसूरती को निखारने के लिए वाटर फाउंटेन और हाई मास्क लाइट लगाई जा रही हैं।

युद्धस्तर पर जारी है कार्य

वर्तमान में सिविल कार्य और लैंडस्केपिंग का काम तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस सौंदर्यीकरण कार्य से न केवल आगरा के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यमुना किनारे की पहचान एक 'वाइब्रेंट पब्लिक स्पेस' के रूप में होगी। योगी सरकार का यह प्रयास आगरा को 'स्मार्ट सिटी' की दिशा में एक और कदम आगे ले जा रहा है।

अवैध देशी शराब बेचने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के अवैध मादक पदार्थों के खरीद/बिक्री के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन में, श्रीमान् अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण में एवं श्रीमान सहायक पुलिस आयुक्त दशाश्वमेध के नेतृत्व में थाना दशाश्वमेध पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त जरार अहमद पुत्र मो० आरिफ निवासी जे 23/78 कमालपुरा थाना जैतपुरा कमि० वाराणसी (उ0प्र0) उम्र करीब 41 वर्ष को 20 टेट्रा पैक (कुल 4 लीटर) देशी शराब (विन्डीज लाईम देशी मदिरा) अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना दशाश्वमेध पर मु0अ0स0-016/2026 धारा-60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही सम्पादित की जा रही है। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा पूछताछ पर बताया कि इसमे देशी शराब है जिसे मैं खरीदकर लाता हूं ताकि दुकाने बन्द होने के बाद महंगे दाम पर बेचकर कुछ पैसे कमा लूं। पकड़े गये व्यक्ति से बरामद देशी शराब के रखने का लाइसेन्स मांगा गया तो दिखाने से कासिर रहा। जिसके आधार पर कारण गिरफ्तारी बताते हुए अभियुक्त जरार उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया।

रंगदारी मांगने के मामले बीएचयू छात्र नेता को मिली जमानत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। पैथालॉजी कर्मी से रंगदारी मांगने के मामले में आरोपित को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम द्वितीय) पूनम पाठक की अदालत ने जंसा निवासी बीएचयू छात्र नेता प्रशांत गिरी को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव, चंद्रबली पटेल व संदीप यादव ने पक्ष रखा।अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने 22 नवम्बर 2025 को लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि वह डॉक्टर लाल पैथलैब्स, वाराणसी में कार्यरत है। प्रशान्त गिरी विगत तीस दिनों से उनसे बीएचयू परिसर एवं लंका परिक्षेत्र में मिलकर पैसा रंगदारी के रूप में मांगता था।एक-दो बार वादी ने उसको कुछ पैसा डर के मारे दे दिया, जिससे कि वादी शांति से नौकरी कर जीविकोपार्जन कर सके।

इस बीच 18 नवम्बर 2025 को प्रशांत गिरी उससे बीएचयू के सर सुन्दर लाल अस्पताल में मिला और पचास हजार रुपए की रंगदारी मांगने लगा। वादी मुकदमा ने विनती किया कि वह छोटा सा कर्मचारी है और इतना पैसा नहीं दे पायेगा। जिसके बाद प्रशांत फिर पूरे दिन उसके नम्बर पर फोन कर पैसा मांगता रहा। तीन दिन बाद 21 नवंबर 2025 को वादी बीएचयू अपने इलाज के लिए आया था। जहां वह आईएमएस, बीएचयू के बगल में कैन्टीन पर जलपान कर रहा था, तभी पुनः प्रशान्त गिरी आ गया और वादी को भद्दी-भद्दी गाली देकर पीटने लगा और डण्डा निकाल के उसके ऊपर जानलेवा प्रहार किया तथा बोला कि कल तक पचास हजार रुपए नहीं दिये तो अभी डण्डे से पीटा हूँ, आगे चलकर जान से मार डालूंगा। वादी पिटाई से चोट ग्रस्त है और उसकी रंगदारी मांगने एवं जान से मारने की धमकी से भयभीत है। वादी की तहरीर पर लंका पुलिस ने आरोपित छात्र नेता प्रशांत गिरी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

स्वास्थ्य विभाग का छापा या नूराकुश्ती सील तोड़ने वाले पैथोलॉजी सेंटर पर फिर मेहरबानी क्यों

23 दिसंबर को सील हुआ पैथोलॉजी 2 घंटे में सील टूटी अब फिर सील कर 3 दिन की दी गयी मोहलत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिले में अवैध पैथोलॉजी सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई अब सवालों के घेरे में है। सोमवार की देर शाम बीजपुर बाजार स्थित एक पैथोलॉजी सेंटर पर सहायक मुख्य चिकित्साधिकारी गुरु प्रसाद की छापेमारी एक हाई वोल्टेज ड्रामा बनकर रह गई।ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे छापेमारी की बजाय सेटिंग-गेटिंग का खेल करार दिया है।सोमवार शाम जैसे ही एसीएमओ की टीम बीजपुर पहुंची तो अचानक एक पैथोलॉजी सेंटर का शटर गिर गया और संचालक मौके से गायब हो गया। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों का दावा है कि टीम के पहुंचने से पहले ही विभाग के किसी विभीषण ने फोन कर संचालक को छापेमारी की सूचना दे दी थी।

टीम के मौके पर पहुंचने पर सिर्फ बंद शटर मिला, जिस पर नोटिस चस्पा कर अधिकारी अपनी पीठ थपथपाते नजर आए।इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल स्वास्थ्य विभाग की नीयत पर है।रिकॉर्ड के मुताबिक, इसी पैथोलॉजी सेंटर को 23 दिसंबर को सील किया गया था।लेकिन संचालक के हौसले इतने बुलंद थे कि सील होने के महज 2 घंटे बाद ही सील तोड़कर सेंटर फिर से शुरू कर दिया गया।

ग्रामीणों का सवाल जायज है कि सरकारी सील तोड़ना एक गंभीर अपराध है,फिर भी पिछले 22 दिनों तक विभाग ने कोई एफआईआर या ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की और अब जब दोबारा छापा मारा गया,तो सीधे कार्रवाई करने के बजाय 3 दिन की मोहलत क्यों दी गई क्या यह विभाग की लाचारी है या फिर भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें है सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे बयान में पैथोलॉजी के संचालक ने खुद को निर्दोष बताया है।

संचालक का कहना है,मैं किसी जरूरी काम और छोटी बच्ची की दवा लेने बैढन गया था। मुझे रास्ते में एसीएमओ सर के दौरे की खबर मिली तो मैं भागा-भागा आया। तब तक नोटिस लग चुका था। मैंने सर को अपने पेपर्स दिखाए, जिस पर उन्होंने मुझे 3 दिन के अंदर जिला मुख्यालय पर सारे कागजात प्रस्तुत करने को कहा है। जांच के बाद ही सेंटर खोलने का आदेश मिलेगा।

क्या छापेमारी से पहले ही सूचना लीक होना विभाग के अंदर 'काली भेड़ों' की मौजूदगी का सबूत नहीं है फिलहाल, एसीएमओ ने संचालक को दस्तावेज दिखाने के लिए 3 दिन का समय दिया है लेकिन जनता की नजर अब इस बात पर है कि क्या यह जांच किसी नतीजे पर पहुंचेगी या फिर फाइलों में दबकर रह जाएगी।

महानगर कांग्रेस कमेटी नें धूमधाम से मनाया प्रियंका गांधी का जन्मदिन, जरूरतमंदों को बाटे कम्बल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा द्वारा वायनाड सांसद एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव प्रियंका गांधी का जन्मदिन पार्टी कार्यालय बी 46 सैक्टर 52 में बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव एवं कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा जरूरत मंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए तथा सभी को मिठाई खिलाकर प्रियंका गांधी के दीघार्यु जीवन की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, दिनेश अवाना, पवन शर्मा, शहाबुद्दीन, चरण सिंह, यतेन्द्र शर्मा, ललित अवाना, रामकुमार शर्मा, राहुल पांडेय, डॉ सीमा, मधुराज, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष जावेद खान, गौरव अधाना, सतीश पंचाल, अरुण प्रधान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहा मौत का कारोबार झोलाछाप डॉक्टरों के भरोसे आदिवासियों की जिंदगी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। ऊर्जाचल के बीजपुर क्षेत्र में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध उगाही और जानलेवा इलाज का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। क्षेत्र के बीजपुर बाजार समेत डोडहर, नेमना, चेतवा, सिरसोती, जरहा, बकरिहवा, महुली, बकामोड़, पिंडारी जैसे ग्रामीण इलाकों में मेडिकल स्टोर की आड़ में झोलाछाप डॉक्टरों ने अपनी अवैध दुकानें सजा रखी हैं। दवा बेचने के लाइसेंस की आड़ में ये कथित डॉक्टर गरीब आदिवासी मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।बीजपुर बाजार में तो स्थिति बेहद चौंकाने वाली है सूत्रों के मुताबिक यहाँ एक बहुचर्चित मेडिकल स्टोर की आड़ में पूरा नर्सिंग होम संचालित किया जा रहा है। दिखावे के लिए ऊपर मेडिकल की दुकान है लेकिन नीचे तहखाने में कई बेड लगाकर अवैध अस्पताल चलाया जा रहा है। वहीं बाजार के ही एक अन्य मेडिकल स्टोर संचालक ने अपनी दुकान में पैथोलॉजी सेंटर तक खोल रखा है और खुद ही डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज कर रहा है हद तो तब हो गई जब इसी मेडिकल स्टोर में एक गृहणी महिला खुद को 'स्त्री रोग विशेषज्ञ' बताकर महिलाओं का इलाज करती पाई गई।

लापरवाही की हदें केवल बाजार तक सीमित नहीं हैं। बीजपुर पुनर्वास के डोडहर मोड़ पर स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक ने तो नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए अपने घर को ही अस्पताल बना लिया है। यहाँ बिना किसी मानक और अनुमति के घर के अंदर एक्स-रे मशीनलगाकर मरीजों का एक्स-रे किया जा रहा है। इतना ही नहीं गंभीर हालत वाले मरीजों को रेफर करने की बजाय उन्हें घर के अंदर ही भर्ती कर इलाज किया जा रहा है जिससे कई बार स्थिति अनियंत्रित हो जाती है। ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक और भी भयावह है। यहाँ इलाज बीमारी देखकर नहीं बल्कि मरीज की जेब देखकर किया जाता है।ग्रामीणों का आरोप है कि ये डॉक्टर मरीजों से खुलेआम पूछते हैं कि 50 रुपये वाला इलाज कराना है या 100 वाला सस्ते इलाज के चक्कर में कई मरीज अपनी जान गंवा बैठते हैं।गलत इलाज के चलते कई आदिवासी मरीज असमय ही काल के गाल में समा चुके हैं लेकिन प्रशासन मौन है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी नहीं है। शिकायतों के बाद विभाग की टीम आती जरूर है लेकिन कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति कर लौट जाती है। मिलीभगत के चलते इन झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंद हैं और अवैध क्लीनिकों का यह धंधा फल-फूल रहा है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इन 'मौत के सौदागरों' पर कब तक नकेल कस पाता है या फिर गरीब आदिवासी यूं ही इनके गलत इलाज का शिकार होते रहेंगे।

लोहड़ी पर्व भांगड़ा और गिद्दा के साथ धूमधाम से मनाया गया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 34 स्थित बी-3 अरावली अपार्टमेंट में लोहड़ी पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया।आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि लोहड़ी के पर्व के साथ ही नई सवंत शुरू हो जाता है और मौसम बदलने का आगाज भी होता है। इसलिए लोहड़ी को जश्न के रूप में मनाया जाता है। सोसायटी स्थित सेंट्रल पार्क में लोगों के लिए लोहड़ी का पर्व मनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। यहां सांय 7 बजे पूजा कर लोहड़ी जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की हुई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने मूंगफली, पापकार्न, तिल से बने समान एक दूसरे में बांटे और लोहड़ी की बधाई दी। इस मौके पर ढोल की थाप पर भी लोग खूब नाचे। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा महासचिव प्रदीप सिंह उपाध्यक्ष अमित रस्तोगी सह कोषाध्यक्ष अविनाश कुमार सविता केदार बीएस रंधावा कुलविंदर कौर मनदीप कौर पायल वर्मा सविता ग्रोवर रजनीश कुमार गुरपिंदर सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया महर्षि ज्ञान युग दिवस महोत्सव

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महर्षि नगर स्थित महर्षि विद्या पीठ में धूमधाम से महर्षि ज्ञान युग दिवस महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर शिक्षा निदेशक (महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह) सी.डी. शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती वीणा बहुगुणा तथा महर्षि विश्व शांति आंदोलन के अध्यक्ष अनुज तिवारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ पारंपरिक गुरु पूजा से हुआ। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद एक शांतिपूर्ण एवं आत्मिक सामूहिक ध्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों एवं अभिभावकों ने एक साथ भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती वीणा बहुगुणा ने ब्रह्मचारी गिरिश के शिक्षाओं से प्रेरित होकर अपना प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। उन्होंने भवातीत ध्यान एवं भवातीत सिद्धि कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक विकास, तनाव मुक्ति और आंतरिक शांति को बढ़ावा देते हैं। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें मधुर गीत, मनमोहक नृत्य एवं अन्य कलात्मक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ, जिसमें सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

ठाकुरगंज के विकास को लेकर विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को सौंपा मांग पत्र

'पाईनएप्पल सिटी' और 'चाय नीति' समेत कई अहम प्रस्ताव

नदियों पर पांच महत्वपूर्ण पुलों का प्रस्ताव

- सिंघीमारी से डाकूपाड़ा के बीच पलसा कनकई नदी पर पुल।
- बंदरझूला पंचायत के कद्दूभिट्ठा से बारोभांग के बीच बूढ़ी कनकई नदी पर पुल।
- कुकुरबाघी पंचायत के ढेमालगच्छ से बासनडुब्बी के बीच चेंगा नदी पर पुल।
- कुकुरबाघी पंचायत के भरमडांगी से चनाबाड़ी के बीच सोनमती नदी पर पुल।
- सखुआडाली पंचायत के टेमोर आदिवासी टोला से कुटकूडांगी के बीच टैमोर नदी पर पुल।

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ठाकुरगंज। ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और स्थानीय समस्याओं के समाधान को लेकर विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर चार अलग-अलग मांग पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख ज्वलंत

समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके त्वरित समाधान की मांग की। विधायक द्वारा सौंपे गए प्रस्तावों में कृषि, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं, जिनसे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ठाकुरगंज को मिले 'पाइनएप्पल सिटी ऑफ बिहार' का दर्जा

विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि ठाकुरगंज और दिघलबैंक प्रखंड में बड़े पैमाने पर अनानास की खेती की जाती है। उन्होंने मांग की कि ठाकुरगंज को आधिकारिक रूप से 'पाइनएप्पल सिटी ऑफ बिहार' घोषित किया जाए। साथ ही यहां आधुनिक कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट (जूस, जैम, पल्प) और किसान प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाए, ताकि किसानों को बिचौलियों पर निर्भर न रहना पड़े और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो सके।

बिहार में 'चाय उद्योग नीति' लागू करने की मांग

किशनगंज जिला राज्य का एकमात्र चाय उत्पादक क्षेत्र है। विधायक ने बताया कि ठाकुरगंज में बीते तीन दशकों से चाय की खेती हो रही है, बावजूद इसके अब तक कोई सरकारी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित नहीं हो सकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि राज्य में एक 'चाय उद्योग नीति' लागू की जाए, जिससे चाय किसानों को सरकारी प्रोत्साहन, सिंचाई सुविधा और फसल बीमा जैसी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण पर जोर

ठाकुरगंज नगर पंचायत के बीच से गुजरने वाली रेलवे लाइन के कारण नगर दो हिस्सों में बंटा हुआ है, जिससे यातायात व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा प्रभावित होती है। विधायक ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी पत्राचार किया जा चुका है और अब रेलवे ओवर ब्रिज (ROB) निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग दोहराई गई है।

सम्पादकीय

हिंदू मानस की राजनीति

देश के शहर–शहर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। उनसे पहले हिंदुओं की प्रभात फेरियां गलियों से गुजरी। आजादी के लंबे 74 सालों के बाद सोमनाथ का संघर्ष, गर्व, गौरव और सनातन का स्वाभिमान भी याद आ गया। सोमनाथ मंदिर ही नहीं, आराध्य महादेव का प्रथम ज्योतिर्लिंग भी है। वहां किसी आयोजन पर किसी को भी आपत्ति नहीं है। बीते 11 साल से अधिक समय से मोदी देश के पीएम हैं। अभी याद क्यों आया कि सोमनाथ का भी कोई स्वाभिमान है। उसके विध्वंस और पुनर्निर्माण का इतिहास 1000 साल पुराना है। देश के प्रथम पीएम की सोच और धर्मनिरपेक्ष राजनीति क्या थी, आज वह बिल्कुल बेमानी और अप्रासंगिक है। फिर पीएम मोदी ने सोमनाथ की आड़ में हिंदुओं की एकजुटता और तुष्टिकरण का मुद्दा उछाल कर हिंदुओं को एक होने का आ'ान क्यों किया। पीएम चुनावों में भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं। बीजेपी को फायदा भी मिलता है। क्या मान लिया जाए कि पीएम ने सोमनाथ के बहाने देश का मानस बदलने की राजनीति की है। उनका लक्ष्य है कि 2047 को विकसित हिंदू राष्ट्र घोषित किया जा सके। संविधान और दस्तावेज में बदलाव बाद में भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ही नहीं, सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी हिंदू एकजुटता का आ'ान किया है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया है कि यदि हिंदू एक हो गए, तो आगामी 20–30 सालों में भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा उछाला और हिंदू एकजुटता की बात कही। गली–गली, शहर–शहर जो सम्मेलन किए गए हैं, उनमें भी 'हिंदू एक' की हुंकार गूंजती रही। हम स्पष्ट कर दें कि हमारा हिंदुत्व से कोई विरोध नहीं है। बेशक भारत में करीब 80 फीसदी हिंदू आबादी है, लेकिन यह 'हिंदू राष्ट्र' नहीं है। भारत में मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, यहूदी, जैन, बौद्ध सरीखे अन्य समुदाय भी हैं। बेशक इनमें से कुछ समुदाय मानसिक तौर पर खुद को हिंदू मानते और घोषित करते हैं, लेकिन वे हिंदू नहीं हैं। विविधता ही भारत की खूबसूरती है। संघ परिवार को संविधान की नहीं, मानस की चिंता है। यदि सत्ता और संसद में भाजपा की शक्ति बरकरार रही, तो संविधान में कभी भी संशोधन किया जा सकता है, लेकिन हमें यह आसान नहीं लगता। देश के एक और विभाजन का खतरा या संभावनाएं भी मौजूद नहीं हैं, लेकिन देश में आज भी गंभीर समस्याएं हैं जो चिंतित करती हैं। बेशक हम विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भारत 216 देशों की सूची में 140 वें स्थान पर है। हमारी प्रति व्यक्ति आय 2.65 लाख रुपए ही है। जिस जापान को हमने पछाड़ा है, उसकी यह आय करीब 30 लाख रुपए है। देश पर 225 लाख रुपए का कर्ज है। बेरोजगारी की दर करीब 7 फीसदी है। जिस इंटर्नशिप योजना की घोषणा बजट में गाजे बाजे के साथ की गई थी, उसका भद्दा सच यह है कि सिर्फ 95 युवाओं को ही ऑफर लेटर दिए गए हैं। 6618 युवाओं ने बीच में ही इंटर्नशिप छोड़ दी।

जेन जी को लेकर पीएम मोदी का बयान सही है या मनीष तिवारी की चिंता सही है?

नीरज कुमार दुबे

देश की राजनीति में इन दिनों जेन जी को लेकर एक वैचारिक घमासान तेज हो गया है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो जेन जी को भारत के भविष्य का वाहक बताते हुए उनसे मानसिक गुलामी की बेड़ियां तोड़ने का आ'ान कर रहे हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी हैं जो एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए हालिया प्रदर्शनों को चेतावनी की तरह देखते हैं और उसके गहरे निहितार्थों की बात करते हैं।

हम आपको बता दें कि एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए साफ कहा कि जेन जी का सबसे बड़ा दायित्व देश को दासता की मानसिकता से बाहर निकालना है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक स्वतंत्रता का सवाल नहीं बल्कि सोच की आजादी का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक औपनिवेशिक मानसिकता का शिकार रहा है जहां अपनी क्षमताओं पर संदेह किया गया और विदेशी मानकों को ही श्रेष्ठ माना गया। मोदी ने कहा कि आज का युवा उस दौर को नहीं जानता जब नीतिगत पंगुता और निर्णयहीनता ने देश की गति को थाम रखा था लेकिन यही युवा अब उस सोच को हमेशा के लिए दफन कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने जेन जी को आत्मनिर्भर भारत का असली सिपाही बताते हुए कहा कि स्टार्टअप संस्कृति, तकनीक आधारित नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल भारत जैसी पहलों में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उनका जोर इस बात पर था कि जेन जी को केवल विरोध की राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि समाधान और सृजन की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहिए। मोदी ने कहा कि भारत का युवा अगर अपनी जड़ों और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से जुड़ता है तो वह वैश्विक मंच पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।

इसके विपरीत कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का नजरिया कहीं अधिक सतर्क और चिंतित दिखाई देता है। उन्होंने हाल के महीनों में एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि इन प्रदर्शनों को सिर्फ युवा आक्रोश कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। तिवारी ने कहा कि इन आंदोलनों ने कई जगह सरकारों को हिला दिया और कहीं कहीं सत्ता परिवर्तन तक का कारण बने। उनका कहना है कि यह समझना जरूरी है कि ये आंदोलन केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं हैं बल्कि इनके पीछे वैश्विक राजनीतिक प्रवृत्तियां और डिजिटल माध्यमों की बड़ी भूमिका है।

मनीष तिवारी ने आगाह किया कि सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्क के जरिये जेन जी तेजी से संगठित होती है और भावनात्मक मुद्दों पर उग्र प्रतिक्रिया देती है। यह शक्ति जितनी रचनात्मक हो सकती है उतनी ही विनाशकारी भी साबित हो सकती है अगर इसे विवेकपूर्ण दिशा न मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अन्य एशियाई देशों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए जहां युवा आंदोलनों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव डाला और अस्थिरता पैदा की। देखा जाये तो दुनिया भर में जेन जी के आंदोलनों ने एक नया राजनीतिक पैटर्न गढ़ा है। ये आंदोलन तेज हैं भावनात्मक हैं और डिजिटल प्लेटफार्म के सहारे सीमाओं को लांघते हैं। लेकिन भारत का संदर्भ अलग है। यहां का जेन जी सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता, संविधानिक ढांचे और लोकतांत्रिक परंपराओं के बीच पला बढ़ा है। यही कारण है कि भारतीय जेन जी को केवल वैश्विक आंदोलनों की नकल करने वाला नहीं बल्कि अपने तरीके से प्रतिक्रिया देने वाला माना जा रहा है।

मोदी और मनीष तिवारी के बयानों के बीच की टकराहट असल में इस सवाल पर आकर टिक जाती है कि युवा शक्ति को प्रेरणा की जरूरत है या नियंत्रण की। मोदी जहां युवाओं में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना भरना चाहते हैं वहीं मनीष तिवारी इस चेतना को विवेक और सावधानी के साथ देखने की बात करते हैं। हालांकि दोनों ही यह मानते हैं कि जेन जी अब हाशिये पर नहीं बल्कि राजनीति और समाज के केंद्र में है। देखा जाये तो जेन जी को लेकर चल रही यह बहस भारत के भविष्य की बहस है। प्रधानमंत्री मोदी की बातों में एक स्पष्ट संदेश है कि युवा केवल शिकायत करने वाली पीढ़ी न बने बल्कि देश की दिशा बदलने वाली शक्ति बने। दासता की मानसिकता से मुक्ति का आ'ान दरअसल आत्मविश्वास और स्वदेशी सोच की पुकार है। वहीं मनीष तिवारी की चेतावनी यह याद दिलाती है कि ऊर्जा अगर दिशा विहीन हो जाए तो वह रचनात्मक कम और विध्वंसक अधिक हो सकती है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और मनीष तिवारी के बीच चल रही जेन जी को लेकर बहस के समानांतर राहुल गांधी भी युवाओं से संवाद की अपनी अलग रणनीति के कारण चर्चा में रहे हैं। हाल के दिनों में जेन जी के साथ उनकी अनौपचारिक बातचीत के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए हैं जिनमें वे कॉलेज जीवन, प्रेम प्रसंगों, व्यक्तिगत पसंद और युवाओं की रोजमर्रा की चिंताओं पर खुलकर बात करते दिखाई देते हैं। यह संवाद कई बार गंभीर राजनीति से ज्यादा मीम संस्कृति का हिस्सा बन गया। दरअसल, कांग्रेस की रणनीति के तहत यह प्रयास जेन जी को सीधे संबोधित करने और उन्हें लोकतंत्र, संविधान और चुनावी प्रक्रिया से जोड़ने का है। राहुल गांधी बार बार युवाओं से अपील करते रहे हैं कि वह केवल दर्शक न बनें बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं खासकर रोजगार, भ्रष्टाचार और चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर। उन्होंने कुछ ऐसे बयान भी दिये जिन्हें जेन जी को उकसाने के तौर पर देखा गया। हालांकि यह साफ दिख रहा है कि जेन जी केवल राजनीतिक संदेश सुनने वाला वर्ग नहीं है बल्कि वह खुद विमर्श की दिशा तय करने लगा है। बहरहाल, भारत का जेन जी इन दोनों ध्रुवों के बीच खड़ा है। उसके पास विरोध की ताकत भी है और निर्माण की क्षमता भी। असली चुनौती यही है कि वह वैश्विक उथल पुथल से सबक लेते हुए भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करे न कि उसे अस्थिरता की ओर धकेले। भारत का युवा अगर सोच समझकर आगे बढ़ा तो वह केवल सत्ता से सवाल नहीं करेगा बल्कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। यही संतुलन भारत को बाकी दुनिया से अलग और मजबूत बनाता है।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ:, छ, के, को, हा।

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

मान–सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।

व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मोबाइल नंबर - +91 99990 74369

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

अमेरिकी राष्ट्रपति के दिमाग में क्या चल रहा है?

दीपक कुमार

आज पूरी दुनिया एक ही सवाल पूछ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के वार रूम में इस समय क्या चल रहा है। व्हाइट हाउस के भीतर कौन से देश के नक्शे खुले हैं, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं और किन मोर्चों पर सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी हो रही है। देखा जाये तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानों, नीतिगत संकेतों और सैन्य गतिविधियों से साफ झलकता है कि अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आइये आज इसी पर बात करते हैं और आपको तथ्यों के साथ पूरी जानकारी देते हैं कि ट्रंप के निशाने पर इस समय कौन कौन से देश हैं और उनके खिलाफ अमेरिका किस स्तर की तैयारी कर रहा है।

देखा जाये तो साल 2026 की शुरूआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। इस बार मंच पर हैं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी भाषा पहले से अधिक तीखी, अधिक उकसाने वाली और अधिक विस्फोटक बनी हुई है।

सबसे पहले वेनेजुएला की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने खुद को सार्वजनिक रूप से वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मयार्दा को जानबूझकर तोड़ा है। इसका सीधा संदेश यह है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को एक संप्रभु राष्ट्र की तरह नहीं बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र के एक प्रशासित इलाके की तरह देख रहा है। देखा जाये तो वेनेजुएला का सामरिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि ऊर्जा पर आधारित है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। ट्रंप का खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति बताना दरअसल यह बताने का तरीका है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन को अब छिपाकर नहीं बल्कि खुले तौर पर संचालित करना चाहता है। यह सीधे तौर पर संसाधन नियंत्रण की राजनीति है।

इसी कड़ी में क्यूबा को लेकर ट्रंप का रवैया भी ध्यान खींचता है। क्यूबा को तेल आपूर्ति रोकने की धमकी और उसके बाद यह कहना कि मार्को रुबियो का क्यूबा का राष्ट्रपति बनना उन्हें ठीक लगता है, यह सब मजाक नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब वैचारिक असहमति को सहन करने के मूड में नहीं है। वह खुले तौर पर यह संकेत दे रहा है कि जो सरकारें उसकी लाइन पर नहीं चलेंगी, उन्हें आर्थिक और राजनीतिक रूप से कुचल दिया जाएगा। देखा जाये तो मार्को रुबियो का नाम लेना प्रतीकात्मक है। एक ऐसा नेता जिसकी पहचान क्यूबा विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है, उसे वहां के राष्ट्रपति पद से जोड़ना यह बताता है कि अमेरिका लोकतंत्र नहीं बल्कि अपने हितों के प्रति वफादार शासन चाहता है। यह बयान भले ही अनौपचारिक हो लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गहरे हैं।

ईरान की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका ईरान के लिए बहुत मजबूत सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। देखा जाये तो यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है क्योंकि अमेरिका इस समय फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम एशिया तक अपनी सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। हवाई हमलों से लेकर साइबर और ड्रोन हमलों तक की तैयारी की जा रही है। सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि हमला कब और कितना बड़ा होगा? देखा जाये तो यदि अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा पश्चिम एशिया अस्थिर हो सकता है। तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट सकती है। मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में एक जैसा नहीं होगा। कुछ देश रणनीतिक मजबूरी में अमेरिका का सीमित समर्थन कर सकते हैं, लेकिन व्यापक इस्लामी दुनिया में इसका तीखा विरोध होगा। यह टकराव क्षेत्रीय से वैश्विक संकट में बदल सकता है।

ईरान पर हमले का एक और परिणाम होगा प्रतिशोध। ईरान सीधे या परोक्ष रूप से अपने सहयोगी संगठनों के जरिये जवाब देगा। इसका असर इजरायल से लेकर खाड़ी देशों तक दिख सकता है। इस तरह यह संघर्ष किसी एक मोर्चे पर सीमित नहीं रहेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी साफ दिखाई दे रही है। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह कहना कि अमेरिका ने यदि उस क्षेत्र को नहीं लिया तो उसे चीन या रूस ले लेंगे, यह दशार्ता है कि अमेरिका दुनिया को अब भी एक शतरंज की बिसात मानता है जहां मोहरे उसकी मर्जी से हिलने चाहिए। यह मानसिकता बताती है कि बहुध्रुवीय दुनिया की सच्चाई को स्वीकार करने में अमेरिका अब भी असहज है।

अब कोलंबिया की बात करें तो आपको बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति का ट्रंप से मिलने जाना एक दबाव भरी परिस्थिति में संवाद का प्रयास है। अमेरिकी धमकियों और दबाव ने कोलंबिया को बातचीत की मेज तक आने के लिए मजबूर किया है। यह अमेरिका की दबाव कूटनीति की सफलता भी है और उसकी सीमाओं का संकेत भी। बहरहाल, जहां तक यह सवाल है कि दुनिया क्या एक और विश्व युद्ध की कगार पर है? इसका उत्तर भले अभी स्पष्ट नहीं हो लेकिन यह तो दिख ही रहा है कि फिलहाल दुनिया एक ऐसे दौर में जरूर है जहां टकराव की रेखाएं गहरी हो रही हैं। अमेरिका बनाम चीन, रूस, ईरान जैसे ध्रुव साफ दिख रहे हैं। अमेरिका की मौजूदा दादागिरी यह दिखाती है कि वह अपने पतन के डर से और अधिक आक्रामक होता जा रहा है।

गिरता रुपया और तेज जीडीपी ग्रोथ

डा. अश्विनी महाजन

1947 में आजादी के बाद से, भारतीय रुपए की अमरीकी डॉलर के मुकाबले धीरे-धीरे कमजोर होने की प्रवृत्ति रही है। 2024 में 3.30 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर से गिरता हुआ 2025 के मध्य तक 83.4 रुपए और दिसंबर 2025 तक लगभग 90 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर हो गया। रुपए की कमजोरी की रफ्तार दशकों में अलग-अलग रही है, जो घरेलू पॉलिसी और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक हालात दोनों को दिखाती है। शुरूआती सालों (1947-1966) में, ब्रिटिश पाउंड से जुड़े स्थिर विनिमय डर के तहत रुपया लगभग 4.4 फीसदी वार्षिक की दर से गिरा। 1966 और 1976 के बीच, 1966 के अवमूल्यन और कड़े नियमन के बाद अवमूल्यन सालाना 1.8 फीसदी तक धीमा हो गया। 1976-1986 के बीच तेल के झटकों और आर्थिक दबाव की वजह से हर साल 3.5 प्रतिशत की थोड़ी ज्यादा गिरावट देखी गई, जबकि 1986-1996 में सबसे ज्यादा 10.9 फीसदी सालाना गिरावट देखी गई, जो भुगतान शेष संकट और बाजार निर्धारित विनिमय दर की वजह से हुई। उदारीकरण के बाद, 1996 के बाद से, रुपए की गिरावट में कमी आई। 1996-2004 के दौरान हर साल 3.0 प्रतिशत, 2004-2014 में हर साल 2.9 फीसदी और 2014-2024 तक हर साल 3.3 प्रतिशत। कुल मिलाकर, जबकि गिरावट संरचनात्मक है, 1990 के दशक के बाद नीति सुधारों और आर्थिक स्थिरता ने इस प्रवृत्ति को स्थायित्व प्रदान किया।

हालांकि, पिछले एक साल में रुपए में 4.7 प्रतिशत की ज्यादा तेजी से गिरावट आई है, यह एक अल्पकालिक घटना लगती है। यह एक आम धारणा है कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था का मतलब है कि उस मुद्रा की ताकत भी मजबूत होगी। लेकिन वर्तमान समय में यह धारणा गलत साबित हो रही है। हम देखते हैं कि पिछले लगभग एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेज गति से बढ़ रही है, और पिछले लगभग पांच वर्षों से इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ ` वाली अर्थव्यवस्था होने का गौरव प्राप्त है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार (जीडीपी) 2014 में 2.07 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढकर 2025 में 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। इस दौरान प्रति व्यक्ति आय भी 1554 अमेरिकी डॉलर से बढकर 2878 अमेरिकी डॉलर हो गई है। अगर हम वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी देखें, तो यह 2014-15 में 106.6 लाख करोड़ रुपए से तीन गुना से भी अधिक बढकर 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपए हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दो सालों में, रुपए-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव एक जैसा नहीं रहा है। अप्रैल 2023 और 2025 के मध्य के बीच तुलनात्मक रूप से स्थिर विनिमय दर के बाद, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव आया है और सिर्फ 6 महीनों में रुपए में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। दिलचस्प बात यह है कि पिछली तिमाही में, भारत की जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसे संघर्षों और युद्धों के कारण भूराजनीतिक तनाव और अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अभूतपूर्व टैरिफ युद्ध के कारण अस्त-व्यस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच काफी अच्छा माना जाता है। तेज आर्थिक ग्रोथ से आम तौर पर किसी देश की करेंसी मजबूत होनी चाहिए। लेकिन भारत अक्सर एक विरोधाभास का अनुभव करता है जहां जीडीपी ग्रोथ ज्यादा होने पर भी उसकी करेंसी काफी कम हो जाती है। इस विरोधाभास को समझने की जरूरत है, क्योंकि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जीडीपी ग्रोथ से तय नहीं होता है, बल्कि कई तत्वों से तय होता है, जिनका असर विदेशी मुद्रा की मांग और पूर्ति पर पड़ता है। पहला, विनिमय दर सिर्फ जीडीपी ग्रोथ के बजाय पूंजीगत प्रवाह से ज्यादा चलती है।

मजबूत ग्रोथ के बावजूद, अगर विदेशी निवेशक वैश्विक अनिश्चितता, अपने देश/देशों में बढ़ती ब्याज दरों, या रिस्क से बचने की वजह से पूंजी निकालते हैं, तो रुपया कमजोर हो जाता है। भारत में ठीक यही हुआ है। 2025 में ही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने 15 दिसंबर, 2025 तक भारतीय स्टॉक मार्केट से 18.4 बिलियन अमरीकी डॉलर निकाले, भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि अपने ही कारणों से। फिर से, हम देखते हैं कि एफपीआई की भारी निकासी के बावजूद, भारतीय स्टॉक मार्केट अपने ग्रोथ के रास्ते पर चलते रहे हैं। लेकिन, निकासी के लगातार दबाव का विदेशी मुद्रा की पूर्ति पर बुरा असर पड़ा है और इसके कुल असर ने रुपए की गिरावट में अहम भूमिका निभाई है। दूसरा, मजबूत होने के बजाय, ज्यादा जीडीपी ग्रोथ, रुपए की गिरावट का कारण भी बन सकती है। भारत में ज्यादा ग्रोथ अक्सर आयात को बढ़ाती है, खासकर कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और पूंजीगत सामान के लिए। बढ़ते आयात से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपए पर दबाव पड़ता है। हम देखते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मशीनरी और कई दूसरे क्षेत्रों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए कलपुर्जों और कच्चे माल का आयात जरूरी हो जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ती है। इसके अलावा, बढ़ी हुई मैन्युफैक्चरिंग निर्यात से ज्यादा देश में ही उपभोग हो जाती है। गौरतलब है कि भारत के वस्तु व्यापार में घाटा 2023-24 में 240 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढकर 2024-25 में 282.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस घाटे में से 85.1 बिलियन अमरीकी डॉलर और 99.2 बिलियन डॉलर सिर्फ चीन से थे। यह प्रवृत्ति 2025-26 में भी जारी रहेगी, जहां अप्रैल से सितंबर 2025 के पहले छह महीनों में, वस्तु व्यापार में घाटा 59.5 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो पिछले साल के घाटे से $39.3 बिलियन अमरीकी डॉलर ज्यादा है। तीसरा, डॉलर के दबदबे और दुनिया भर में मॉनेटरी सख्ती से भी रुपया कमजोर हो रहा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के दायरे से बाहर है। अमरीकी फेडरल रिजर्व द्वारा सख्ती के समय- ज्यादातर करेंसी के मुकाबले डॉलर मजबूत होता है। ऐसे समय में, रुपए में गिरावट दुनिया भर में डॉलर की मजबूती को दिखाती है, घरेलू कमजोरी को नहीं। चौथी बात, महंगाई से करेंसी की वैल्यू में गिरावट आती है। भारत के मामले में, अतीत में अधिक महंगाई रुपए के कमजोर होने का एक बड़ा कारण रही है। पिछले एक दशक में, विशेषकर हाल के वर्षों में, कीमतें काफी हद तक स्थिर रही हैं और इसी के साथ एक्सचेंज रेट में भी अपेक्षाकृत स्थिरता देखी गई है।

कम महंगाई न केवल हमारे निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाती है, बल्कि आयात पर भी दबाव कम करती है। इस तरह यह व्यापार शेष और भुगतान शेष को नियंत्रण में रखने तथा घरेलू करेंसी को स्थिर बनाए रखने में मदद कर सकती है। पांचवीं बात, भारत की अधिकांश ग्रोथ निर्यात के बजाय घरेलू खपत और सार्वजनिक निवेश से संचालित होती है। जब ग्रोथ घरेलू मांग से आती है, तो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में समान अनुपात में वृद्धि हुए बिना यह अपने आप करेंसी की मजबूती में नहीं बदलती। छठी बात, कई बार सरकार स्वयं निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए रुपए की कीमत कम होने देती है या उसे प्रोत्साहित करती है। इसलिए, कभी-कभी रुपए की गिरावट एक नीति होती है, न कि किसी आर्थिक विफलता का संकेत। अर्थशास्त्री और नीति-निमार्ता आम तौर पर मानते हैं कि रुपए में सीमित गिरावट निर्यात को समर्थन दे सकती है, गैर-जरूरी आयात को हतोत्साहित कर सकती है और घरेलू उद्योग की रक्षा कर सकती है। वास्तव में, हाई ग्रोथ वास्तविक आर्थिक विस्तार को दशार्ती है, जबकि रुपए का मूल्य सापेक्ष कीमतों, पूंजी प्रवाह और वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करता है। दोनों का एक साथ होना कोई विरोधाभास नहीं है, लेकिन संरचनात्मक रूप से आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था की एक विशेषता है।

सेहत/स्वास्थ्य

आयुर्वेद की इन 5 आदतों से बढ़ाएं इम्युनिटी, सर्दी-जुकाम और बीमारियां रहेंगी दूर

आजकल कम उम्र से ही लोगों को बीपी, पेट की बीमारी, डायबिटीज, तनाव और जोडों के दर्द जैसी समस्याओं से घिरे रहते हैं। खासकर सर्दियों के मौसम में सर्दी–जुकाम, खांसी, बुखार और स्किन संबंधी परेशानियां तेजी से बढ जाती हैं।

पहले के समय में लोग कम बीमार पड़ते थे और शरीर में ताकत होती थी। उन लोगों की इम्यूनिटी मजबूत रहती थी और मानसिक रूप से भी लोग अधिक हेल्दी नजर आते थे। लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्थिति बिल्कुल उलट हो गई है। कम उम्र से ही लोगों को बीपी, पेट की बीमारी, डायबिटीज, तनाव और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से घिरे रहते हैं। खासकर सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और स्किन संबंधी परेशानियां तेजी से बढ़ जाती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो इन बीमारियों के होनी की सबसे बड़ी वजह हमारी बिगड़ती लाइफस्टाइल है। लेकिन आयुर्वेद में स्वस्थ जीवन के लिए सही लाइफस्टाइल फॉलो करना बेहद जरूरी है। सुबह जागने से लेकर रात में सोने तक का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए आपको उन आयुर्वेदिक आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सर्दियों में पालन करने से आप बड़ी से बड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

कितने बजे उठें

आयुर्वेद में सुबह जागने का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 04 से 04:30 बजे माना गया है। लेकिन सूर्योदय से पहले किसी भी हाल में बिस्तर छोड़ दें। नैतिक क्रियाएं करने के बाद धूप निकलने पर योग, हल्का व्यायाम और प्राणायाम आदि करना सर्दियों में बेहद फायदेमंद होता है। ऐसा करने से शरीर में गर्माहट बनी रहती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।

कैसी होनी चाहिए दिनचर्या

सर्दियों के मौसम में गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। आयुर्वेद में नहाने से पहले तिल या फिर सरसों के तेल से मालिश करना लाभकारी माना जाता है। इससे स्किन का रूखापन, जोड़ों के दर्द और थकान से राहत मिलती है। मालिश करने के बाद गुनगुने पानी से नहाने से शरीर तरोताजा महसूस करता है। वहीं सुबह का नाश्ता 08 से 09 बजे के बीच करना चाहिए। सर्दियों में दूध, दलिया, घी लगी रोटी, पोहा, मूंग दाल का चीला और उपमा जैसी गर्म और पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही अखरोट, बादाम और किशमिश जैसे सूखे मेवे डाइट में शामिल करना चाहिए, इससे आपके शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है।

लंच और डिनर

आपको दोपहर का खाना 12 से 1 बजे के बीच करना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक इस समय पाचन अग्नि समय सबसे मजबूत होती है। दोपहर में घर का बना खाना खाएं। दोपहर के खाने में दाल, मौसमी सब्जियां, रोटी, चावल, घी और छाछ को शामिल करना चाहिए। सर्दियों में ज्वार, बाजरा और मक्के की रोटियां खाने से शरीर अंदर से मजबूत बनता है। वहीं शाम को 4 से 5 बजे के बीच हल्का नाश्ता कर सकते हैं। रात को हमेशा हल्का और समय पर 6 से 7 बजे तक भोजन कर लेना चाहिए।

रात में सोने का समय

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, एक सामान्य व्यक्ति के लिए 7-8 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए रात को 10 बजे से पहले सो जाना चाहिए। क्योंकि सर्दियों में देर रात तक टीवी या मोबाइल देखने से शरीर कमजोर होता है। वहीं आयुर्वेदिक दिनचर्या को नियमित रूप से अपनाने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही पेट से जुड़ी बीमारियां धीरे-धीरे खत्म होने लगती हैं। मानसिक तनाव, सुस्ती, थकान और चिड़चिड़ापन आदि से भी राहत मिलती है।

ब्यूटी / फैशन

आपका आईलाइनर भी फैल जाता है? ये आसान ब्यूटी टिप्स देंगे एकदम परफेक्ट लुक

मेकअप करना हर किसी महिला को काफी पसंद है। सजना-संवरना लड़कियों की पहली पसंद होती है। अधिकत्तर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए काफी प्रयास करती है। कुछ महिलाएं घरेलू नुस्खे आजमाती हैं, तो वहीं कुछ महिलाएं मेकअप कर अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाती हैं। यदिआप भी मेकअप के दौरान अपनी आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए आइलाइनर का प्रयोग करती हैं, लेकिन लाइनर फैल जाता है, तो यह लेख आपके लिए हैं। लाइनर लगाते समय आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है। इस लेख में हम आपको ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपकी काफी मदद करेंगे।

अगर आपका आईलाइनर भी हर बार फैल जाता है, तो जानें इसे लगाने के दो आसान ब्यूटी टिप्स। परफेक्ट लुक के लिए पहले आईलाइनर पेंसिल से आउटलाइन बनाएं या फिर डॉट–टू–डॉट मेथड अपनाकर एक आकर्षक और सटीक फिनिश पाएं।

लाइनर लगाने का आसान तरीका

अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में अगर आप भी मेकअप के दौरान आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए आइलाइनर लगाती हैं और वह फैल जाता है, तो परेशान न हो। इन टिप्स का प्रयोग जरुर करें।

आईलाइनर पेंसिल से बनाएं आउटलाइन

आईलाइनर लगाते समय अपनी कोहनी को टेबल या किसी मजबूत सतह पर टिकाकर रखें। इससे हाथ स्थिर रहेगा और लाइन साफ बनेगी। साथ ही, लिक्विड आईलाइनर सीधे लगाने के बजाय पहले आईलाइनर पेंसिल से हल्की आउटलाइन बना लें। इसके बाद लिक्विड लाइनर लगाएं। इस तरीके से आईलाइनर फैलता नहीं है और आंखें ज्यादा सुंदर व आकर्षक दिखती हैं।

आईलाइनर से छोटे-छोटे डॉट्स लगाएं

इन सभी टिप्स के अलावा आप एक और टिप आजमा सकती हैं। आप डॉट- टू- डॉट मेथड भी लाइनर लगाने के लिए बेस्ट तरीका है। इसके लिए आपको पलकों के ऊपर आईलाइनर से छोटे-छोटे डॉट्स लगाने हैं, ध्यान रहे डॉट्स ज्यादा बड़े ना हो, नहीं तो इससे लाइनर बिगड़ सकता है। छोटी बिंदु लगाने के बाद आप इन डॉट्स को आपस में मिलाते हुए आगे लाइन की तरह खींचें। इस तरह से भी आपका परफेक्ट लाइनर लग जाएगा। इस तरीके से आप लाइनर लगा सकती हैं।

पर्यटन

भारत का वो 'सीक्रेट' हिल स्टेशन जहां विदेशियों की है 'नो एंट्री', जाने कारण

> उत्तराखंड का चकराता एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, लेकिन यह एक उच्च-सुरक्षा वाला सैन्य छावनी क्षेत्र होने के कारण यहां विदेशी नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इस इलाके में भारतीय पर्यटकों को भी कुछ नियमों का पालन करना होता है, जैसे प्रतिबंधित जगहों पर फोटोग्राफी न करना।

आमतौर पर भारत में एक ऐसा हिल स्टेशन है, जहां विदेशों नागरिक इस हिल स्टेशन में प्रवेश नहीं कर सकते हैं, यदि विदेशी पर्यटक यहां जाने का प्रयास करेंगे तो उन्हें पहले ही रोक दिया जाएगा। इस जगह की खास बात तो यह है कि ऊंचाई पर चढ़ने से पहले ही, बेरिगेटिंग लगी होती है, जहां आपकी आईडी भी देखी जा सकती है। बता दें कि, यह एक ऑफबीट हिल स्टेशन है, जिसका नाम चकराता है। इस जगह पर यदि किसी विदेशी नागरिक के साथ यहां घूमने का प्लान कर रही हैं, तो पहले ही रुक जाएं। हालांकि, कई लोग नहीं जानते है कि यहां ऐसा क्यों होता है? क्यों इस हिल स्टेशन पर विदेशी नागरिकों का आना मना है। चलिए आपको बताते हैं चकराता के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

चकराता में क्यों मना है विदेशी नागरिकों की एंट्री?

यह हिल स्टेशन देश के उच्च सुरक्षा वाली जगह में से एक है। इधर आपको जगह-जगह आर्मी फोर्स भी देखने को मिलेंगी, क्योंकि यह उच्च सुरक्षा वाला सैन्य छावनी क्षेत्र में आता है। आपको बता दें कि, यहां पर भारतीय सेना की टीम राजनीतिक कार्य करती हैं और खुफिया एजेंसियां भी यहां मौजूद है।

चकराता ऊंचाई पर स्थित है और भारत-चीन सीमा के करीब भी पड़ता है, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के हिसाब से यह संवेदनशील क्षेत्र भी माना जाता है। इसी कारण, यहां पर विदेशी नागरिकों का आना मना है। यदि कोई विदेशी नागरिक, खुफिया बनकर यहां आया, तो खतरनाक हो सकता है।

सिर्फ गृह मंत्रालय की अनुमति के बाद यहां विदेशी नागरिक आ सकते हैं, वरना इसके अलावा गृह मंत्रालय की अनुमति नहीं हैं।

इन बातों का ध्यान रखें

चकराता एक ऐसी जगह है, जहां भारतीय नागरिकों को भी फोटो लेना प्रतिबंध है। कुछ जगहों पर बोर्ड लगे हैं, जहां फोटो वीडियो बनाना सख्त मना है। यदि आप इन बातों को ध्यान नहीं रखती हैं, तो हो सकता है कि आर्मी ऑफिसर को आप पर शक हो जाए। ऐसे में आपको पकड़कर पूछताछ भी हो सकती है और आपसे आईडी प्रूफ भी मांगा जा सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि जबां पर फोटो लेने से मना किया गया है, वहां फोने जेब से बाहर ना निकालें।

इस लोकेशन पर आप रात के समय ड्राइव न करें, उजाले में ही होटल ले लें। चकराता पूरा पहाड़ी इलाका है। सड़कें पर ज्यादा चौड़ी नहीं है और मोड़ भी खतरनाक है। यहां पर सड़कों पर लाइटें भी नहीं है, इसलिए आपको यात्रा में परेशानी हो जाएगी। अंधेरा होने से पहले ही कहीं होटल लेकर रुक जाएं।

चकराता में होटल या रिसॉर्ट ज्यादा नहीं है। अगर अंधेरा हो गया है, तो जहां भी आपको होटल-रिसॉर्ट मिले, वहां रुक जाएं।

यदि रात में आपकी गाड़ी खराब हो जाए या टायर फट जाता है, तो आपको मदद मिलना भी मुश्किल हो सकता है, क्योंकि दूर-दूर तक केवल पहाड़ है और सुविधाएं मिलने में भी परेशानी होती है। रात में लोग सड़कों पर ज्यादा नहीं चलते हैं, इसलिए दिन में मदद मिलना आसान हो जाता है।

घरेलू नुस्खे

खाने का स्वाद बढ़ा देगी ये 2 राजस्थानी चटनी, जानें बनाने की सबसे आसान रेसिपी

अगर आप भी एक तरह की चटनी खाकर बोर हो चुकी हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस विंटर सीजन में चटपटे स्वाद का तडका लगाना चाहती हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की दो स्पेशल चटनी की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम तीखा और चटपटा खाने का सभी का मन करता है। तीखा मिलते ही खाने का मजा दोगुना हो जाता है। ज्यादातर घरों में खाने के साथ चटनी जरूर दी जाती है। आमतौर पर हम सभी के घर में धनिया, हरी मिर्च और टमाटर की चटनी ज्यादा बनती है।

लेकिन अगर आप भी एक तरह की चटनी खाकर बोर हो चुकी हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस विंटर सीजन में चटपटे स्वाद का तड़का लगाना चाहती हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की दो स्पेशल चटनी की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

खास बात यह है कि आप इस चटनी को बनाकर स्टोर भी कर सकती हैं। जब भी स्नैक्स या खाना खाएं, तो इसको जरूर परोसें।

यह चटनी कम सामान और झटपट बनाकर तैयार हो जाती है। तो आइए जानते हैं राजस्थान की इन स्पेशल चटनी रेसिपी के बारे में...

हरी मिर्च दही की चटनी रेसिपी

इस चटनी को बनाने के लिए तीखी वाली पतली और हरी मिर्च धो लें।

हरी मिर्च की डंठल तोड़कर अलग कर दें और सूखने दें।

फिर मिक्सर जार में सभी मिर्च को तोड़कर पीस लें।

इसके बाद एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें राई और हींग का तड़का लगाएं।

पिसने के बाद इसमें पिसी हुई मिर्च डालकर मिक्स करें और गैस का फ्लेम बंद कर दें।

अब ऊपर से नमक और दो चम्मच दही डालकर मिक्स करें।

इस आसान तरीके से हरी मिर्च दही की तीखी चटनी बनकर तैयार है।

आप इसको स्टोर करके फ्रिज में रख सकती हैं।

लहसुन और मूंगफली की चटनी रेसिपी

एक पैन में थोड़ा सा तेल डालकर गर्म करना है। फिर इसमें मूंगफली डालकर रोस्ट कर लें।

इसके बाद लहसुन की कलियां छीलकर इनको भी भून लें।

फिर कश्मीरी साबुत लाल मिर्च भी भूनें।

सभी चीजों को ठंडा करके मिक्सर जार में भून लें।

इन सभी चीजों को पीसने के दौरान चीनी, नमक और थोड़ी देगी मिर्च भी डालें।

अब एक पैन में थोड़ा सा तेल और राई डालकर चटनी में डाल दें।

आप इस चटनी को कांच के जार में भरकर महीनेभर के लिए स्टोर करके रख सकती हैं।

दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिये...

विश्व पुस्तक मेले के थीम पवेलियन में दिग्गज गीतकार आनंद बख्शी की स्मृति में यादगार कार्यक्रम सम्पन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नई दिल्ली (सुशील कुमार शर्मा)। थीम पवेलियन, भारत मंडपम, विश्व पुस्तक मेला-2026 में दिग्गज गीतकार आनंद बख्शी पर भारतीय सेना को समर्पित भावपूर्ण आयोजन मंगलवार दिनांक 13-1-26 को अद्रिक पब्लिकेशन द्वारा आयोजित किया गया, ₹दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिये...।विश्व पुस्तक मेले के अंतर्गत भारतीय सैन्य इतिहास से जुड़े शौर्य और प्रज्ञा कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज थीम मंडप पर एक विशेष साहित्यिक, सांस्कृतिक आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारतीय सेना को समर्पित था और प्रसिद्ध गीतकार आनंद बख्शी की स्मृति में आयोजित किया गया। अद्रिक पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड के सौजन्य से आयोजित इस सत्र का समय प्रातः 11:00 से 11:45 बजे तक रहा। कार्यक्रम का शीर्षक था– द कंट्रीब्यूशन ऑफ आनंद बख्शी : ए पोएट एंड लिरिसिस्ट।

कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में आनंद बख्शी द्वारा लिखा गया देशभक्ति गीत दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए गूंजता रहा। जिसने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कर दिया। पैनल चर्चा में राकेश आनंद बख्शी, यूसुफ खान, संगीता विजित और शालिनी अगम उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आनंद बख्शी के पुत्र राकेश आनंद बख्शी ने अपने पिता के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्ष 1945 की एक मार्मिक घटना साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद आनंद बख्शी ने साहित्य और गीतों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई। राकेश आनंद बख्शी ने कहा कि उनके पिता के गीत केवल मनोरंजन नहीं थे, बल्कि वे आम जन की भावनाओं, देशप्रेम और जीवन के यथार्थ को स्वर देते थे। उन्होंने कुछ व्यक्तिगत संस्मरण भी साझा किए, जिन्हें श्रोताओं ने अत्यंत भावुकता से सुना।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि यूसुफ खान, जो एक प्रतिष्ठित संगीतकार हैं और फिल्म एवं संगीत जगत की कई नामी हस्तियों के साथ काम कर चुके हैं, ने आनंद बख्शी की बायोग्राफी नगमे किस्से बाते यादें पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह कृति न केवल एक गीतकार की जीवन यात्रा को दशार्ती है, बल्कि हिंदी फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर का भी दस्तावेज है।

कार्यक्रम की शुरूआत शालिनी अगम (राष्ट्रीय अध्यक्ष-किआन फाउंडेशन) ने जय हिंद के उद्घोष के साथ की, जिससे पूरे मंडप में उत्साह का संचार हो गया। उन्होंने पुस्तक मेले की इस थीम की सराहना करते हुए कहा कि साहित्य और राष्ट्रभाव को जोड़ने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन ऋषि कुमार शर्मा (पूर्व उप-सचिव हिन्दी अकादमी) द्वारा किया गया। अंत में अद्रिक पब्लिकेशन के निदेशक अशोक गुप्ता ने आये हुये सभी सम्मानित अतिथियों एवं एनबीटी की टीम का आभार प्रकट किया। संगीता बिजित, जो पेशे से बीटेक स्नातक हैं, ने मंच से श्रीराम के श्लोक जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी का पाठ किया।

इसके बाद उन्होंने देशभक्ति गीत वतन वालो वतन न बेच देना, ये धरती ये गगन न बेच देना गुनगुनाया, जिसने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।कुल मिलाकर यह कार्यक्रम आनंद बख्शी के साहित्यिक योगदान, देशभक्ति की भावना और भारतीय सांस्कृतिक चेतना का सशक्त संगम साबित हुआ, जिसने विश्व पुस्तक मेला-2026 में एक यादगार छाप छोड़ी।

आरडब्लूए सेक्टर 105 चुनाव मे दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) पैनल की जीत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आरडब्लूए सेक्टर 105 चुनाव मे दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) पैनल नें भारी मतों से जीत दर्ज की।

आरडब्लूए चुनाव मे कुल 358 वोट पड़े, जिसमे दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) पैनल को 258 मत प्राप्त हुए और विपक्षी संतोष बंसल पैनल को 92 मत ही प्राप्त हुये, आठ मत खारिज हो गये। पैनल मे आरडब्लूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा), उपाध्यक्ष रीना गौतम, महासचिव राजीव दुबलिस, कोषाध्यक्ष करन मनोचा, संयुक्त सचिव अनिल भदौरिया, सदस्य उमेश माथुर, नविन पालीवाल, महेश कुमार आदि चुने गये।

आरकेजी आईटी (फामेर्सी) को मिला प्रतिष्ठित सम्मान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

बेंगलुरु। बेंगलुरु में आरकेजीआईटी (फामेर्सी) गाजियाबाद ,ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एकेडमिक इनसाइट्स द्वारा आयोजित समारोह में संस्थान को 'डिस्टिंग्विश्ड फामेर्सी कॉलेज ऑफ द ईयर 2025 - नॉर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह आयोजन हयात सेंट्रिक, बेंगलुरु में संपन्न हुआ।

यह सम्मान संस्थान के संकाय, स्टाफ और विद्यार्थियों की सामूहिक निष्ठा, शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचारपूर्ण शोध का प्रमाण है। आरकेजीआईटी ने फामेर्सी शिक्षा में नए मानक स्थापित करते हुए भविष्य के पेशेवरों के सर्वांगीण विकास की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्थान ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने नेतृत्व दल और पूरे आरकेजीआईटी परिवार को दिया है। यह सफलता सभी की साझा मेहनत और समर्पण का परिणाम है। पुरस्कार ग्रहण करते हुए डॉक्टर मोनिका सचदेवा, प्रिंसिपल, आर के जी आई टी,फामेर्सी और अभिनव बंसल, बिजनेस हेड , आर के जी ग्रुप ,ने समस्त फैकल्टी मेंबर्स और टीम मैनेजमेंट को आभार प्रकट करते हुए बधाई दी !

वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, आर के जी ग्रुप, आर के जी,ग्रुप एडवाइजर डॉक्टर लक्ष्मन प्रसाद ,एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर , आर के जी ग्रुप - डॉक्टर डी के चौहान ,डायरेक्टर आर के जी आई टी - बी सी शर्मा , एच सी गर्ग चीफ प्रॉक्टर , आर के जी आई टी, डॉक्टर विपुल गोयल, एच आर हेड , आर के जी आई टी,ने संयुक्त रूप से पूरे आर के जी आई टी परिवार को बधाई दी और और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया !

लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर विकास भवन में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी जी के नेतृत्व में आज विकास भवन प्रांगण में लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय पर्व-परंपराओं को सहेजना और आपसी सौहार्द को मजबूत करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विकास भवन में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न कार्यों से आए आगंतुकों ने भी खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला और सभी ने एक-दूसरे को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार सहित विकास भवन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाला बताया।

लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित इस खिचड़ी वितरण कार्यक्रम के माध्यम से विकास भवन परिवार ने सेवा, सहयोग और भाईचारे का संदेश दिया।

वरिष्ठ अधिकारी पर लगे आरोपों को लेकर उठे सवाल, जांच की मांग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी को लेकर हाल के दिनों में एक शिकायत पत्र चर्चा का विषय बना हुआ है। यह शिकायत मुख्यमंत्री को संबोधित बताई जा रही है, जिसमें संबंधित अधिकारी पर भ्रष्टाचार, अवैध उगाही और प्रशासनिक अनियमितताओं जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट उत्कर्ष राघव द्वारा खतौली विधायक मदन भैया को एक शिकायत पत्र सौंपा गया, जिसमें नोएडा प्राधिकरण में वरिष्ठ प्रबंधक पद पर तैनात अधिकारी गौरव बंसल के विरुद्ध आरोप लगाए गए हैं। इस शिकायत के आधार पर विधायक मदन भैया ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रकरण की जांच किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबंधित अधिकारी का तबादला किसी अन्य प्राधिकरण में किया जाए, ताकि जांच निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। हालांकि, इस पूरे प्रकरण को लेकर कई सवाल भी सामने आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक शिकायतकर्ता एक अधिवक्ता हैं और किसी अन्य जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

यह भी कहा जा रहा है कि शिकायतकर्ता का संबंधित अधिकारी से कोई प्रत्यक्ष संपर्क या मुलाकात नहीं हुई है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि शिकायत का आधार क्या है और इसकी पृष्ठभूमि क्या रही है। इसके अलावा, यह चर्चा भी सामने आ रही है कि यदि किसी स्तर पर कोई प्रशासनिक अनियमितता हुई होती, तो इसकी शिकायत पहले नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अथवा जिले के जनप्रतिनिधियों जैसे नोएडा, दादरी या जेवर क्षेत्र के विधायकों अथवा स्थानीय सांसद के समक्ष रखी जा सकती थी। इसके बजाय, जिले से बाहर के एक विधायक को शिकायत सौंपे जाने को लेकर भी विभिन्न तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। दूसरी ओर, नोएडा प्राधिकरण से जुड़े सूत्रों का कहना है कि संबंधित अधिकारी की छवि अब तक स्वच्छ रही है और उनके कार्यकाल के दौरान किसी प्रकार की पुष्टि योग्य शिकायत सामने नहीं आई है। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि बिना जांच पूरी हुए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि ऐसे मामलों में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच ही सच्चाई सामने लाने का एकमात्र माध्यम होती है। आरोप सही हैं या निराधार यह जांच का विषय है। फिलहाल, मामला जांच की मांग और उससे जुड़े सवालों के बीच चर्चा में बना हुआ है।

मकर संक्रांति निर्णय

14 जनवरी को ही ही मनाएं मकर संक्रांति

सरकार की ओर से 15 जनवरी की मकर संक्रांति का अवकाश होने से लोग भ्रमित हो रहे हैं जबकि 14 जनवरी कोई मकर संक्रांति श्रेष्ठ है।मकर-संक्रांति के निर्णय के लिए दो प्रमुख ग्रन्थों के मूल प्रमाण-श्लोक दिए जा रहे हैं –

निर्णयसिन्धु

निर्णयसिन्धु (संक्रान्ति निर्णय) में स्पष्ट कहा गया है –

रात्रौ संक्रान्तिरुत्पन्ना पर्व स्यात्परतो दिने।
अह्नि संक्रान्तिरुत्पन्ना तदहः पर्व उच्यते॥

अर्थ

यदि संक्रांति रात्रि में हो ⟶ पर्व अगले दिन
यदि संक्रांति दिन में हो ⟶ पर्व उसी दिन

स्मृतिचिन्तामणि (हेमाद्रि)

स्मृतिचिन्तामणि – कालनिर्णय अध्याय में –

संक्रान्तिः स्यात्यदि रात्रौ पर्व परेह्युरिष्यते।
दिवा चेत्सा भवेत्तस्यां तदहः पर्व कीर्तितम्॥

अर्थ

यदि संक्रांति रात्रि में हो तो पर्व अगले दिन मनाया जाना चाहिए।
यदि दिन में हो तो उसी दिन पर्व मनाएं।

शास्त्रीय निष्कर्ष है

तीनों ग्रन्थ धर्मसिन्धु, निर्णयसिन्धु, स्मृतिचिन्तामणि एक ही नियम देते हैं:
सूर्यास्त से पहले संक्रांति- उसी दिन पर्व
सूर्यास्त के बाद संक्रांति , रात्रि-संक्रांति = अगले दिन पर्व

इस बार सूर्य मकर संक्रांति में 14 जनवरी को को अपराह्न 3:07 बजे आएंगे इसलिए मकर संक्रांति 14 जनवरी को ही मनाया जाना अति शुभ है।

पंडित शिवकुमार शर्मा
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु कंसलटैंट

कौशल विकास प्रशिक्षण की गुणवत्ता को लेकर प्रशिक्षण प्रदाताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। आज उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गाजियाबाद विभाग द्वारा जनपद में चलाये जा रहे प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा जिला समन्वयक के कक्ष 215 (अ), विकास भवन में जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गाजियाबाद श्री के०डी० मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिनमें जनपद को आवंटित्त योजनावार और प्रशिक्षण प्रदातावार लक्ष्यों के सापेक्ष उपलब्धि की समीक्षा, प्रशिक्षण कार्य की समीक्षा एवं अन्य बिन्दुओं पर समीक्षा की गई। प्रशिक्षण प्रदाता द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के उपरान्त समय से लक्ष्य समाप्त करने हेतु जिला समन्वयक ने निर्देश दिये। टी०ओ०टी०, प्लेसमेन्ट, प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रोजेक्ट प्रवीण के अन्तर्गत आने वाले राजकीय विद्यालयों के लिये प्रशिक्षण हेतु दिशा निर्देश प्रदान किये गये। जीरो पावर्टी योजना के अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर सेवायोजित कराने हेतु एवं सी०एम० युवा उद्यमी योजनान्तर्गत पंजीकरण कराने हेतु दिशा निर्देश जारी किये गये।

बैठक में प्रशिक्षण प्रदाता, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गाजियाबाद के जिला समन्वयक श्री के०डी० मिश्र, एम०आई०एस० मैनेजर, अरूण कुमार पाण्डेय, सन्दीप कुमार एवं डाटा ऑपरेटर राहुल कुमार उपस्थित रहें।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अध्यात्म विषय पर गोष्ठी

एआई मानव समाज के लिए उपयोगी है: अतुल सहगल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अककृत्रिम बुद्धिमत्ता और अध्यात्म विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 756 वाँ वेबीनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने वैश्विक समाज के परिपेक्ष में इस विषय की महत्ता को सामने रखा। आजकल Artificial Intelligence (एआई) बहुत गरमाया हुआ और चर्चित विषय है। नई टेक्नोलॉजी के रूप में यह बड़ा महत्वपूर्ण बन चुका है।भारत समेत विश्व के विकसित और अग्रणी देश अकमें बड़ा निवेश कर रहे हैं। इसी को भविष्य की प्रोद्योगिकी कहा जा रहा है।इसके उपयोग और प्रयोग आश्चर्य चकित कर देने वाले हैं।यदि मनुष्यों के दैनिक सामान्य कार्य -पढ़ने, लिखने, विचारने, विश्लेषण करने और प्रस्तुत करने के कार्य अकसे संचालित यँत्र करने लगेंगे तो फिर मनुष्य क्या करेंगे?अध्यात्म का विषय तो मनुष्य के साथ नित्य ही जुड़ा हुआ है।एआई का अध्यात्म से क्या सम्बन्ध है? हम किस प्रकार अकके प्रयोग से अपना अध्यात्मिक स्तर ऊँचा कर सकते हैं? इस प्रकार के अनेक प्रश्न उपस्थित हो जाते हैं। इन सबका समाधान आवश्यक है।वक्ता ने इन्हीं बातों को उठाया।उसके बाद वक्ता ने उन क्षेत्रों का उल्लेख किया जहां अक और टेक्नोलॉजी का मिलाप होता है।

छत्तरगाच्छ सहित तीन हाई स्कूलों में प्रबंधन समिति का गठन, पारदर्शिता पर उठे सवाल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

किशनगंज/पोठिया। प्रखंड के छत्तरगाच्छ, बोचनई और बक्सा प्लस टू उच्च विद्यालय में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किशनगंज विधायक कमरुल होदा की मौजूदगी में हुआ। इस दौरान कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने विधायक का फूल माला से स्वागत किया। विधायक ने स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि शिक्षण कार्य में आ रही कमियों को तुरंत दूर करें। छत्तरगाच्छ हाई स्कूल में जर्जर हालत में खड़े दस कमरों के भवन को डेमोलिश कर नया भवन साथ ही स्कूल के फ्रंट में एक नये गेट निर्माण कराने की बात कही। विधायक ने कहा कि छात्र सुरक्षित भवन में पढ़ाई करें। यह प्राथमिकता है।

छत्तरगाच्छ हाई स्कूल में मध्यान भोजन की सूची दीवार पर नहीं होने पर विधायक ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्रधानाध्यापक इमाम अख्तर को निर्देश दिया कि एमडीएम चार्ट तुरंत दीवार पर लिखवाया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों और अभिभावकों को यह पता होना चाहिए कि भोजन में क्या मिल रहा है।

छत्तरगाच्छ हाइ स्कूल प्रबंधन समिति के गठन प्रक्रिया पर पंचायत के मो शाहबाज, अफरोज खान, नजरुल इस्लाम सहित कई ग्रामीणों ने आपत्ति जताई । ग्रामीणों का आरोप है कि बैठक की सूचना आम लोगों को नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापक इमाम अख्तर ने अपने स्तर पर मनमाने ढंग से समिति का गठन कर लिया। ग्रामीणों ने मांग की कि आमसभा बुलाकर सार्वजनिक रूप से नई समिति का गठन किया जाए।

नियम के अनुसार सरकारी उच्च विद्यालय में प्रबंधन समिति का गठन सार्वजनिक बैठक में किया जाता है। इस बैठक की सूचना देने की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक की होती है। सूचना विद्यालय परिसर में नोटिस बोर्ड पर लगाई जाती है। पंचायत प्रतिनिधियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों को आमंत्रित किया जाता है। बैठक में अभिभावकों के प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक और अन्य सदस्य चुने जाते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि स्कूल की निगरानी स्थानीय स्तर पर पारदर्शी तरीके से हो।

विद्यालय प्रबंधन समिति स्कूल की व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है। यही समिति भवन, साफ सफाई, एमडीएम, नामांकन, उपस्थिति, मरम्मत और संसाधनों की निगरानी करती है। समिति के माध्यम से अभिभावकों की भागीदारी तय होती है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि नियमों का पालन नहीं होने से समिति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने जिला शिक्षा विभाग से हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पारदर्शी तरीके से पुनर्गठन नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे।

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। निमिष पाटील, पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिण्डन द्वारा अपने कार्यालय पर शिकायत लेकर आये व्यक्तियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं सम्बन्धित को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता अनुदान योजना लागू

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। शासन के निदेशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर आशीष कुमार सिंह ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं (मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजनों को छोड़कर) के दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन के उद्देश्य से स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता प्रदान किए जाने की योजना संचालित की जा रही है।

योजना के अंतर्गत कुल 07 परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों को सहायता अनुदान प्रदान करते हुए उनका क्रियान्वयन किए जाने का निर्णय लिया गया है।

इनमें अर्ली इंटरवेंशन सेंटर का संचालन, डे केयर सेंटर अथवा प्री-प्राइमरी स्कूल का संचालन, प्राइमरी स्कूल स्तर के विशेष विद्यालयों का संचालन, जूनियर हाईस्कूल स्तर के विशेष विद्यालयों का संचालन, हाईस्कूल स्तर तक विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास कार्यक्रम (अधिकतम 04 ट्रेड तथा न्यूनतम 02 ट्रेड) तथा पाठ्य सामग्री विकास एवं पुस्तकालयों का संचालन शामिल है। उक्त सभी परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु सहायता अनुदान दिए जाने का प्राविधान किया गया है।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जनपद में उपर्युक्तानुसार संचालित इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाओं से अपील की है कि वे अपना अनुदान प्रस्ताव तैयार कर कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, गौतमबुद्धनगर में संपर्क कर सकते हैं।